सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 301, नई दिल्ली । गुरुवार, 09 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 "जीवन रक्षा योजना" 25 लाख तक दिल्लीवासियों का इलाज मुफ्त

06 राष्ट्रीय शिक्षा नीति और प्रारंभिक शिक्षा

08 विकास ही है लाल आतंक को खत्म करने का पुख्ता तरीका

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों पर रेल मंत्रालय ने दिया अपडेट, कहा- बजट का 76% रेलवे ने नौ महीनों में खर्चे

संजय बाटला

रेल मंत्रालय ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के बारे में बड़ी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की परियोजना सुरक्षा और गति परीक्षण के दौर से गुजर रहा है। रेलवे ने इस परियोजना और अपने बजटीय आवंटन के बारे में आगे क्या बताया, आइए जानें।

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के बारे में बड़ी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की परियोजना सुरक्षा और गति परीक्षण के दौर से गुजर रहा है और जल्द ही यात्री इसके जरिए विश्वस्तरीय सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। रेल मंत्रालय ने इसके साथ ही चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अपने खर्चे का भी ब्यौरा दिया है।

मंत्रालय ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में रेलवे ने अपने बजटीय परिव्यय का 76 प्रतिशत खर्च कर दिया है। मंत्रालय ने कहा है, ₹भारतीय रेलवे की 5 जनवरी, 2025 तक की नवीनतम व्यय रिपोर्ट के अनुसार, क्षमता वृद्धि में भारी निवेश हो रहा है। इसका उद्देश्य भारत में रेल यात्रा को विश्व स्तरीय अनुभव बनाना है।₹

रेल मंत्रालय के अनुसार, 2024-25 के अनुसार रेलवे की ओर से कुल पूंजीगत व्यय का अनुमान 2,65,200 करोड़ रुपये है। इसमें सकल बजटीय सहायता 2,52,200 करोड़ रुपये की है। रेलवे के अनुसार 1,92,446 करोड़ रुपये पहले ही खर्च किए जा चुके हैं। रेलवे ने कहा, ₹रोलिंग स्टॉक (पटरियों पर दौरने वाले वाहनों) के लिए बजटीय प्रावधान 50,903 करोड़ रुपये का था। इसमें से 5 जनवरी तक 40,367 करोड़ रुपये खर्च किए गए। खर्च की गई राशि रोलिंग स्टॉक के लिए आवंटित बजट का 79 प्रतिशत है।"

मंत्रालय ने कहा, ₹सुरक्षा संबंधी कार्यों में 34,412 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन में से 28,281 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो आवंटित राशि का 82 प्रतिशत है।₹ प्रेस नोट में कहा गया है कि सरकार ने रेलवे को विश्व स्तरीय इकाई में बदलने को प्राथमिकता दी है, जो किफायती लागत पर प्रतिदिन औसतन ₹2.3 करोड़ भारतीयों₹ को परिवहन सुविधा प्रदान करेगी।

रेलवे ने बताया है कि पिछले एक दशक से लगातार पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) का सकारात्मक असर 136 वंदे भारत ट्रेनों, ब्रॉड गेज में लगभग 97 प्रतिशत विद्युतीकरण, नई लाइनें बिछाने, गेज परिवर्तन, पटरियों के दोहरीकरण, यातायात सुविधाओं में वृद्धि, सार्वजनिक उपक्रमों और महानगरीय परिवहन में निवेश के रूप में दिखाई दे रहा है।

रेलवे ने बताया, "नए बदलावों से यात्रा अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। भारतीय रेलवे का यह परिवर्तन विकसित भारत की दूरदर्शिता और भारतीय रेलवे की ओर से मिशन मोड में आधुनिकीकरण परियोजनाओं पर खर्च किए बिना संभव नहीं होता।" रेलवे के अनुसार भारत अपनी विशाल भौगोलिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता के साथ सबसे अधिक आबादी वाला देश होने जैसी चुनौतियों का सामना करता है। इनके बावजूद, भारतीय रेलवे एक नए, आधुनिक और कनेक्टेड भारत के निर्माण के लिए बदलाव की ओर बढ़ रहा है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर डीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

सुप्रीम कोर्ट जैसी अनुशासनहीन अदालत नहीं देखी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सीजेआई संजीव खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने नवंबर 2024 में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के रिटायर होने के बाद पद संभाला था और मई 2025 में जस्टिस गवई अगले सीजेआई बनने जा रहे हैं।

जस्टिस बीआर गवई ने सुप्रीम कोर्ट के हालात पर एक बार फिर जमकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने शीर्ष न्यायालय को सबसे अनुशासनहीन जगह बताया और उच्च न्यायालयों से तुलना की है। बीते साल भी उन्होंने अनुशासन के ही मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाए थे। खास बात है कि जस्टिस गवई मई 2025 में सीजेआई यानी भारत के मुख्य न्यायाधीश बनने जा रहे हैं।

जस्टिस गवई ने उच्च न्यायालयों की तारीफ की साथ ही सुप्रीम कोर्ट में शोर की बात कही है। लाइव लॉ के अनुसार, उन्होंने कहा, 'मैं बॉम्बे, नागपुर और औरंगाबाद बेंच में जज रहा हूं, लेकिन मैंने कभी भी सुप्रीम कोर्ट जैसी अनुशासनहीनता कहीं नहीं देखी। यहां हम देख सकते हैं कि 6 वकील एक तरफ बैठे हैं, 6 वकील दूसरी तरफ बैठे हैं और एक साथ चिल्ला रहे हैं। हाईकोर्ट में ऐसा कभी नहीं देखा।'

पिछले साल सितंबर में भी जस्टिस गवई ने इसी तरह की टिप्पणी की थी। उन्होंने बहस में लगातार अवरोध डाल रहे वकीलों पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, 'हम जैसे लोग, जो उच्च न्यायालयों से आते हैं, उनके लिए यह (सुप्रीम कोर्ट) सबसे अनुशासनहीन अदालत है। कोई भी कहीं से भी बोल सकता है। बहुत अनुशासनहीनता है।'

बनेंगे दूसरे दलित सीजेआई

मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने बीते साल नवंबर में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के रिटायर होने के बाद पद संभाला था। उनके बाद मई 2025 में जस्टिस गवई सीजेआई बनने जा रहे हैं। खास बात है कि देश के दूसरे सीजेआई हो सकते हैं, जो अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं। सुप्रीम कोर्ट को पहला दलित सीजेआई जस्टिस केजी बालकृष्ण के रूप में मिला था। वह 11 मई 2010 को रिटायर हो गए थे।

भोपाल-इंदौर के बाद अब जयपुर में भी हटेगा बीआरटीएस, सीआरआरआई की रिपोर्ट पर जेडीए ने लिया फैसला

राजधानी जयपुर में 170 करोड़ रुपए की लागत से सीकर रोड और न्यू सांगानेर रोड पर बने बीआरटीएस कॉरिडोर को अब हटाया जाएगा। जयपुर विकास प्राधिकरण की कार्यकारी समिति की हुई बैठक में इसके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

जयपुर। केंद्र में यूपीए सरकार के समय जवाहरलाल नेहरू नेशनल अरबन रिन्यूअल मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत 170 करोड़ रुपए की लागत से सीकर रोड और न्यू सांगानेर रोड पर बीआरटीएस कॉरिडोर का निर्माण किया गया था। बीआरटीएस का उद्देश्य शहरी सार्वजनिक परिवहन की बसों के लिए अलग कॉरिडोर उपलब्ध कराना था, ताकि इसमें सफर करने वाले लोग अन्य वाहनों की अपेक्षा अधिक तीव्र गति और कम समय में गंतव्य तक पहुंच सकें लेकिन मॉनिटरिंग के अभाव में इस कॉरिडोर में शहरी परिवहन की बसों के साथ अन्य वाहन भी चलने लग गए और यह व्यवस्था ठप पड़ गई।

दरअसल बीआरटीएस व्यवस्था में पैदल चलने वालों और यात्रियों के लिए ऑफ बोर्ड टिकटिंग की सुविधा, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनजेमेंट सिस्टम और पूरे सिस्टम के लिए कंट्रोल रूम सुविधाएं विकसित की जानी थी, लेकिन इनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया, नतीजतन जिस उद्देश्य को लेकर बीआरटीएस कॉरिडोर बनाया गया था, वह पूरा नहीं हो पाया और अब 170 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट को हटाने की तैयारी की जा रही है।

भोपाल में हटाया, इंदौर में भी तैयारी

जवाहरलाल नेहरू नेशनल अरबन रिन्यूअल मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत देश भर में इस तरह के बीआरटीएस कॉरिडोर तैयार किए गए थे। पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश की बात करें तो इसकी राजधानी भोपाल और इंदौर में भी बीआरटीएस कॉरिडोर बनाए गए थे लेकिन वहां भी यह प्रोजेक्ट पूरी तरह फेल हो गया। इसके बाद भोपाल में बीआरटीएस हटा लिया गया और अब इंदौर में भी इसे हटाने का ऐलान चुका है।

स्थानीय संगठन कर रहे थे हटाने की मांग

वर्ष 2010 में सीकर रोड पर और वर्ष 2015 में अजमेर रोड पर जितना कॉरिडोर बना था, उस पर बसों का संचालन शुरू किया गया था। स्थानीय जन संगठन लंबे समय से इस कॉरिडोर का हटाने की मांग कर रहे हैं। करीब 7.1 किलोमीटर लंबाई में सीकर रोड पर एक्सप्रेस-वे से अम्बाबाड़ी तक और -9 किलोमीटर लंबाई में अजमेर रोड से किसान धर्मकांटा होते हुए न्यू सांगानेर रोड बी-2 बायपास तिराहा तक कॉरिडोर बनाया गया है लेकिन सड़क की जगह घिरने और अन्य वाहन के लिए कम स्थान उपलब्ध होने के चलते इस सिस्टम की आलोचना होने लगी। इसके बाद 20 अगस्त 2009 को राज्य सरकार ने फैसला किया कि 45 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क पर ही बीआरटीएस कॉरिडोर बनाया जाएगा।

मौजूदा सरकार में केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संगठन (सीआरआरआई) से बीआरटीएस को लेकर स्टडी कराई गई। सीआरआरआई ने जो स्टडी रिपोर्ट जेडीए को सौंपी, उसमें कहा गया है कि या तो मौजूदा कॉरिडोर को हटा दिया जाए या फिर इस सिस्टम को पूरी तरह से लागू किया जाए। इसके बाद जेडीए आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में जेडीए की कार्यकारी समिति की बैठक में इस कॉरिडोर को हटाने का फैसला किया गया है।

आमिर सिद्दीकी द्वारा विश्व की सबसे लम्बी संगति यात्रा 6000किमी रेट्रोफिटेड स्कूटी से

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा प्रमुख देवेश चंद्र श्रीवास्तव, डॉ. विजय दत्ता (प्रिंसिपल, मॉडर्न स्कूल, बाराखम्बा रोड, दिल्ली), मिस अम्बिका पंत (बोर्ड ऑफ ट्रस्टी, मॉडर्न स्कूल, बाराखम्बा रोड, दिल्ली), माउंटेन मैन श्री दीपक गुप्ता,

श्री नरेश सचदेवा (पैरा स्पोर्ट्स ऑफिसर, मॉडर्न स्कूल, दिल्ली) सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. दीपा मलिक पैरालिंपियन गोल्ड मेडलिस्ट द्वारा 14 दिसम्बर, 2024 को मॉडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड, दिल्ली से एक प्रेरणादायक विश्व की सबसे लम्बी सुगम्य जागरूकता राइड को हरी झंडी दिखाई गई।

विश्व की सबसे लंबी सुगम्य जागरूकता राइड 6 दिव्यांग आमिर सिद्दीकी (विश्व प्रसिद्ध जागरूकता राइडर), सुधीर धीर (ट्रस्टी फाउंडरः संगति फाउंडेशन), पवन कश्यप, सूरज पी, राजू कुमार एवं तेजपाल यादव द्वारा रेट्रोफिटेड स्कूटी से 6000 किमी की दूरी को 20 दिनों में तय किया गया।

15 दिसम्बर, 2024 को इंडिया गेट, दिल्ली से शुरू होकर 12 राज्यो के प्रमुख शहर सवाई माधोपुर, उज्जैन, मालेगांव, पुणे, सतारा, गोवा, मंगलुरु, त्रिस्सूर, कन्याकुमारी, रामेश्वरम, धनुषकोड़ी (श्रीलंका बॉर्डर), पॉन्डिचेरी, तिरुपति, कर्नूल, हैदराबाद, नागपुर, सागर, झाँसी, ग्वालियर, मथुरा, फरीदाबाद होते हुए 3 जनवरी, 2025 को दिल्ली के इंडिया गेट में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

संगति यात्रा का आयोजन संगति फाउंडेशन के द्वारा किया गया, इस फाउंडेशन के संस्थापक श्री सुधीर धीर एवं मिस अलका सेलोट अस्थाना है, संगति फाउंडेशन दिव्यांगों के सशक्तिकरण और अधिकारों की दिशा में निरंतर कार्यरत है।

संगति यात्रा का मकसद दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना, सशक्त बनाना, उनकी गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को बढ़ाना तथा एक समावेशी समाज विकसित करना है।

श्री आमिर ने बताया कि यह यात्रा विश्व की सबसे बड़ी साहसिक राइड थी, राइड के दौरान कई स्थानों पर रुकें और दिव्यांगों को जो दिव्यांगता को अपनी कमजोरी समझते हैं, उन्हें दिव्यांगता को ताकत बनाने के लिए उत्साहवर्धन एवं प्रेरित किया कि यदि आप कुछ करना चाहते हैं तो आपको कभी भी किसी प्रकार की बाधाएं रोक नहीं सकतीं।

दिल्ली के सभी रेलवे स्टेशनों पर ये चार दिन पार्सल बुकिंग सेवा बंद, इनको मिली छूट

परिवहन विशेष न्यूज

गणतंत्र दिवस के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने 23 से 26 जनवरी तक दिल्ली के सभी रेलवे स्टेशनों पर पार्सल बुकिंग सेवा को बंद रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान न तो पार्सल की बुकिंग होगी और न ही किसी अन्य स्टेशन से भेजा गया सामान यहाँ उतारा जाएगा। यात्री अपने साथ सामान लेकर यात्रा कर सकते हैं।

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा को ध्यान में रखकर रेलवे प्रशासन ने दिल्ली के रेलवे स्टेशनों पर 23 से 26 जनवरी तक पार्सल बुकिंग सेवा बंद रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान दिल्ली के रेलवे स्टेशनों से पार्सल की बुकिंग नहीं होगी।

बाहर से आने वाले पार्सल पर भी रोक रहेगी। अखबार व पत्रिका को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। जरूरी औपचारिकता पूरी कर पंजीकृत समाचार पत्र व पत्रिका भेजे व प्राप्त किए जा सकते हैं।

इन स्टेशनों पर पार्सल सेवा बंद करने का लिया गया निर्णय

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि चार दिनों तक नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, दिल्ली सराय रोहिल्ला, आदर्श नगर व पटेल नगर रेलवे स्टेशन पर पार्सल सेवा बंद करने का निर्णय लिया गया है।

चार दिनों तक प्लेटफार्म पर पार्सल का नहीं रखा जाएगा कोई सामान

इस दौरान न तो पार्सल की बुकिंग होगी और न किसी अन्य स्टेशन से भेजा गया सामान यहां उतारा जाएगा। यात्री अपने साथ सामान लेकर यात्रा कर सकते हैं। चार दिनों तक प्लेटफार्म पर पार्सल का कोई सामान नहीं रखा जाएगा। गोदाम व प्लेटफार्म खाली रहेंगे।

देश का 76वां गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी को देशभक्ति के साथ गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा। फरीदाबाद जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां शुरु हो गई हैं। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह सेक्टर-12 स्थित हेलीपैड ग्राउंड में मनाया जाएगा।

फरीदाबाद में की जा रही गणतंत्र दिवस को लेकर खास तैयारी

डीसी विक्रम सिंह ने बुधवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए समारोह को भव्य ढंग से मनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह देश की एकता व अखंडता के साथ ही संविधान की संरचना का शुभ दिन है, ऐसे में इस दिवस को हर वर्ष की भांति इस बार भी व्यवस्थित ढंग से मनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समारोह को भव्य बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर समय से पूरी तैयारी की जाए।

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर शहीद वीरांगनाओं, स्वतंत्रता सेनानियों, वीर सैनिकों और पूर्व सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वालों को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के इस पावन समारोह को मनाने के लिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ टीम के तौर पर कार्य करें।

बैठक में एडीसी साहिल गुप्ता, जिला परिषद के सीईओ सतबीर मान, एसडीएम बड़खल अमित मान, मयंक भारद्वाज, सीटीएम अंकित कुमार, डीसीपी सेंट्रल उषा, एफएमडीए के संयुक्त आयुक्त सीईओ गौरी मिड्ढा, आरटीए सचिव मुनीश सहगल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

साल 2025 में जरूर एक्सप्लोर करें ये 5 बेहतरीन जगह, नए एक्सपीरियंस का मिलेगा मौका

साल 2024 में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। अब साल 2025 में भी कई पर्यटन स्थल लोकप्रिय हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल 2025 में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आज हम देश के पांच फेमस पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं।

नई दिल्ली। दुनियाभर में घूमने-फिरने में दिलचस्पी रखने वाले लोग हमेशा कहीं न कहीं की ट्रिप प्लान कर लेते हैं। फेमस पर्यटन स्थल हर किसी के पसंदीदा होते हैं। इन जगहों पर कभी पर्यटकों की कमी नहीं होती है। सालों से इन जगहों पर पर्यटन को बढ़ावा मिला है। इस लिस्ट में विदेशी पर्यटक स्थल और देश के पर्यटक स्थल दोनों शामिल हैं। बता दें कि जो लोग शानदार प्राकृतिक नजारों को देखना चाहते हैं, उनके लिए भारत पर्यटन स्थलों से समृद्ध देश है। यहां पर समुद्री तटों के विकल्प और ऊंची बर्फीली पहाड़ियां हैं। हरे-भरे मैदानी क्षेत्र तो सफेद रेतीले मैदान भी हैं। आप जंगल सफारी से लेकर ऊंट सफारी और क्रूज से लेकर फैरी तक के सफर का आनंद उठा सकते हैं।

बता दें कि साल 2024 में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। साल 2024 में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद करोड़ों की संख्या में सैलानी अयोध्या पहुंचे। तो दूसरी ओर पीएम मोदी के आह्वान पर अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षदीप पर पर्यटकों की काफी संख्या बढ़ी। वहीं अब साल 2025 में भी कई पर्यटन स्थल लोकप्रिय हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल 2025 में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए देश के पांच फेमस पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आलाप्पुझा, केरल

अगर आप भी केरल की प्राकृतिक सुंदरता को निहारना चाहते हैं, तो अलाप्पुझा जा सकते हैं। यहां पर आपको पारंपरिक हाउसबोट का अच्छा अनुभव मिलेगा। एलेप्पी के नाम से जाना जाने वाली यह जगह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यहां पर आप नवंबर से फरवरी के बीच घूमने आ सकते हैं। इस दौरान आप अलाप्पुझा बीच, वेम्बनाड झील, मारारी बीच, कुमारकोम पक्षी अभयारण्य और पुन्नमदा झील के प्राकृतिक परिवेश का अनुभव करें। यहां पर रेवी करुणाकरण मेमोरियल म्यूजियम, सेंट मैरी चर्च और अलाप्पुझा लाइट हाउस का लुत्फ उठाएं।

जैसलमेर

जैसलमेर थार रेगिस्तान में बसा है, यह राजधानी की संस्कृति के साथ हमेशा बदलते टीलों और परंपराओं का अनुभव कराने के लिए एक परफेक्ट जगह है। प्राचीन बलुआ पत्थर की वास्तुकला, कभी न खत्म होने वाला रेगिस्तान और तेज धूप ने जैसलमेर को 'गोल्डन सिटी' का खिताब दिया है। आप नवंबर से फरवरी के बीच इस खूबसूरत शहर को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप वुड फॉसिल पार्क, कुलधरा गांव, व्यास छतरी, जैसलमेर युद्ध संग्रहालय, जैसलमेर किला, कोठारी की पटवों की हवेली, गड़ीसर झील, नाथमल जी की हवेली और थार रेगिस्तान को घूम ने जा सकते हैं।

गिर नेशनल पार्क

गुजरात में गिर राष्ट्रीय वन के नाम से फेमस यह पार्क भारत में मैजेस्टिक एशियाई शेरों को देखने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह पार्क जूनागढ़, अमरेली और गिर सोमनाथ जिलों में फैला हुआ है। यह काठियावाड़-गुर शुष्क वन का हिस्सा है। नवंबर से मार्च तक का समय इस जगह को घूमने के लिए सबसे बेहतर है। यहां आप जंगल सफारी के जरिए 674 शेर, 300 तेंदुए और 425 पक्षियों की प्रजातियों में से कोई एक देख सकते हैं।

गोवा

समृद्ध पुर्तगाली संस्कृति, जीवंत नाइटलाइफ़ और शानदार समुद्र तट की वजह से गोवा साल भर घूमने के लायक है। साल 2025 में भी गोवा भारत में घूमने के लिहाज से सबसे अच्छी जगहों में से एक है। वैसे तो गोवा घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी का है। इस दौरान आप कलंगुट, अरम्बोल, अगोंडा, पणजी, कैंडोलिम, बागा, वागाटोर, कोल्वा, पालोलेम और वर्का की खोज करें। समुद्र तट पर मौज-मस्ती के अलावा कयाकिंग, सर्फिंग या स्कूबा डाइविंग भी कर सकते हैं।

खास मौके पर पाना चाहती हैं रॉयल लुक तो पहने ये चूड़ीदार स्लीव्स वाले लॉन्ग अनारकली सूट

खूबसूरत लुक पाने के लिए मार्केट में आपको कई तरह के आफटफिट मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आपको चूड़ीदार स्लीव्स वाले लॉन्ग अनारकली सूट ट्राई करना चाहिए।

नई दिल्ली। खूबसूरत लुक पाने के लिए मार्केट में आपको कई तरह के आफटफिट मिल जाएंगे। जिनको आप कई खास मौकों पर पहन सकती हैं। लेकिन अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आपको चूड़ीदार स्लीव्स वाले लॉन्ग अनारकली सूट ट्राई करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले अनारकली सूट दिखा रहे हैं, जिनको वियर करने पर आपको रॉयल लुक मिलेगा और आप इन सूट को कई खास मौकों पर पहन सकती हैं। आप इन अनारकली सूट में भीड़ में काफी अलग नजर आएंगी।

एम्ब्रॉयडरी वर्क अनारकली सूट

रॉयल लुक पाने के लिए आप एम्ब्रॉयडरी वर्क अनारकली सूट स्टाइल कर सकती हैं। यह सूट लॉन्ग में है और चूड़ीदार स्लीव्स में आता है। इस तरह का सूट न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। आप मार्केट से इस तरह ले सकती हैं। वहीं ऑनलाइन भी 2,000 रुपए तक आपको यह सूट मिल जाएगा। एम्ब्रॉयडरी वर्क अनारकली सूट के साथ आप जूती या मोजरी पहन सकती हैं। साथ ही मिरर वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल करें। बालों की चोटी बनाकर स्टाइल कर सकती हैं।

सिल्क अनारकली सूट

रॉयल लुक पाने के लिए सिल्क अनारकली सूट भी बेस्ट है। इस सूट को वियर कर आपके बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। यह सूट सिल्क फैब्रिक में है और डार्क में है। आप शादी या फिर रिसेप्शन में इस सूट को वियर कर सकती हैं। ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगहों पर आपको यह सूट मिल जाएगा। आप 2,000 से 4,000 रुपए तक की कीमत पर सिल्क अनारकली सूट खरीद सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ फ्लैट्स और चोकर स्टाइल वाली ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं।

लहरिया प्रिंटेड अनारकली सूट

आप चूड़ीदार स्लीव्स में इस तरह के लहरिया प्रिंट वाली अनारकली सूट भी स्टाइल कर सकती हैं। रॉयल लुक पाने के लिए यह सूट बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह सूट खूबसूरत लहरिया प्रिंट में है। इस सूट को आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से खरीद सकती हैं। आपको यह सूट 3,000 रुपए से कीमत में खरीद सकती हैं। लहरिया प्रिंट वाली अनारकली सूट के साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी और फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

वहीं अगर आप ब्लैक कलर में कुछ पहनना चाहती हैं, तो आप लेक वर्क वाली अनारकली सूट भी वियर कर सकती हैं।

अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो आपको चंदेरी डिजाइन वाला अनारकली सूट भी पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी में रॉयल लुक पाने के लिए आप इस तरह का अनारकली सूट स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपका लुक रॉयल और बेहद खूबसूरत नजर आएगा।

प्रवासी भारतीय दिवस

प्रवासी भारतीय दिवस भारत सरकार द्वारा हर दूसरे वर्ष 9 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश वापस आये थे। इस दिवस को मनाने की शुरुवात सन २००३ से हुई थी। प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की संकल्पना स्वर्गीय लक्ष्मीमल सिंघवी के दिमाग की उपज थी।

पहला प्रवासी भारतीय दिवस ८-९ जनवरी २००३ को नयी दिल्ली में आयोजित हुआ"

साल २०१९ में यह सम्मलेन वाराणसी में आयोजित किया गया था इस सम्मेलन में कई बड़े-बड़े उद्योगपति और कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी बुलाए जाते हैं। इस अवसर पर प्रायः तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसमें अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले भारतवंशियों का सम्मान किया जाता है तथा उन्हे प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया जाता है। यह आयोजन भारतवंशियों से सम्बन्धित विषयों और उनकी समस्यायों के चर्चा का मंच भी है।

उद्देश्य :-

1. अप्रवासी भारतीयों की भारत के प्रति सोच, उनकी भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ ही उनकी अपने देशवासियों के साथ सकारात्मक बातचीत के लिए एक मंच उपलब्ध कराना।

2. भारतवासियों को अप्रवासी बंधुओं की उपलब्धियों के बारे में बताना तथा अप्रवासियों को देशवासियों की उनसे अपेक्षाओं से अवगत कराना।

3. विश्व के 110 देशों में अप्रवासी भारतीयों का एक नेटवर्क बनाना।

4. भारत का दूसरे देशों से बनने वाले मधुर संबंध में अप्रवासियों की भूमिका के बारे में आम लोगों को बताना।

5. भारत की युवा पीढ़ी को अप्रवासी भाईयों से जोड़ना।

6. भारतीय श्रमजीवियों को विदेश में किस तरह की कठिनाइयों का सामना करना होता है, के बारे में विचार-विमर्श करना।

महाकुंभ में अखाड़े का क्या होता है महत्व और यह कितने तरह का होता है, जानिए कैसे हुई इसकी शुरूआत

महाकुंभ में साधु-संतों के कई अखाड़े देखने को मिलते है, सभी अखाड़ों की अपनी अहम भूमिका होती है। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि अखाड़े कितनी तरह के होते हैं और महाकुंभ में इनका क्या महत्व होता है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले के आयोजन की तैयारी बड़े जोर-शोर से चल रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाकुंभ में स्नान करने से व्यक्ति के सारे पाप धुल जाते हैं। उस व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाकुंभ में सबसे ज्यादा लोग स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यहां पर बड़ा खास नजारा देखने को मिलता है। महाकुंभ का संबंध समुद्र मंथन से है और पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश को कुंभ का प्रतीक माना जाता है। महाकुंभ में साधु-संतों के कई अखाड़े देखने को मिलता है, सभी अखाड़ों की अपनी अहम भूमिका होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बता रहे हैं कि अखाड़े कितनी तरह के होते हैं और महाकुंभ में इनका क्या महत्व होता है।

कितने तरह के होते हैं अखाड़े

देश भर में अखाड़ों की संख्या 13 है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह सभी अखाड़े उदासीन, शैव और वैष्णव पंथ के संन्यासियों के लिए हैं। इनमें से 7 अखाड़ों का संबंध शैव सन्यासी संप्रदाय से है और 3 अखाड़े बैरागी वैष्णव संप्रदाय से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही उदासीन संप्रदाय के 3 अखाड़े हैं।

किसका प्रतीक होते हैं अखाड़ा

बता दें कि महाकुंभ मेले में अखाड़ों के साधु-संत पवित्र नदी में स्नान के लिए जाते हैं। वैसे तो अखाड़ा शब्द का इस्तेमाल पहलवानों की कुश्ती लड़ने वाली जगह से होता है। लेकिन महाकुंभ के साधु-संतों को अखाड़े के नाम से जाना जाता है। साधु-संतों के इन अखाड़ों को हिंदू धर्म में धार्मिकता और साधना का प्रतीक माना जाता है।

अखाड़ा किसने बनाया था

हिंदू मान्यता के हिसाब से आदि शंकराचार्य ने हिंदू धर्म की रक्षा करने के लिए साधुओं के लिए कई संगठन बनाए थे। आदि शंकराचार्य को शास्त्र विद्या का सबसे ज्यादा ज्ञान था। इन संगठनों को अखाड़े के नाम से भी जाना जाता है। इन अखाड़ों का इतिहास काफी पुराना है।

शाही स्नान की तिथियां

13 जनवरी 2025 - लोहड़ी
14 जनवरी 2025 - मकर संक्रांति
29 जनवरी 2025 - मौनी अमावस्या
3 फरवरी 2025 - बसंत पंचमी
12 फरवरी 2025 - माघी पूर्णिमा
26 फरवरी 2025 - महाशिवरात्रि

साधु संत करते हैं सबसे पहले स्नान

धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाकुंभ में शाही स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं और जीवन में हर तरह के संकटों से मुक्ति मिलती है। बता दें कि महाकुंभ में शाही स्नान करने का खास महत्व होता है। शाही स्नान में सबसे पहले साधु-संत स्नान के लिए आते हैं और फिर आम जनता द्वारा स्नान किया जाता है।

हनुमान मंदिर जहां डर कर बेहोश हो गया था औरंगज़ेब

आज से करीब 1000 साल पहले 12वीं शताब्दी के लगभग काकतीय वंश के राजा प्रताप रुद्र द्वितीय अपने राज्य से बहुत दूर घने जंगल में शिकार खेलने गए और शिकार खेलते खेलते ही अँधेरा हो गया। जब वह बहुत थक गए तो उन्हें उन्होंने सोचा ईसी जंगल में रात बिताई जाए। रात में राजा वही एक पेड़ के नीचे सो गए अचानक आधी रात को उनकी नींद खुली और उन्हें सुनाई पड़ा कि जैसे कोई भगवान श्री राम के नाम का जप कर रहा है।

इस घटना से राजा अत्यंत विस्मित हुए उन्होंने उठकर आसपास देखा और थोड़ी दूर में ढूंढने पर पाया कि वहां पर एक हनुमान जी की मूर्ति ध्यान मुद्रा में बैठी हुई है उस मूर्ति में अवर्णनीय आकर्षण था ध्यान से देखने पर पता चला कि श्री राम नाम का जप उसी मूर्ति की तरफ से आ रहा था।

राजा और भी अधिक आश्चर्यचकित हो गया और सोचने लगा कि कैसे एक मूर्ति भगवान के नाम का जप कर सकती है?

राजा लगातार उसी मूर्ति को देखे जा रहा था थोड़ी देर में उसे ऐसा दिखा जैसे खुद वहां मूर्ति नहीं बल्कि खुद हनुमान जी बैठे हुए हैं और अपने प्रभु श्रीराम का स्मरण कर रहे हैं।

जब राजा को यह एहसास हुआ कि यह मूर्ति नहीं स्वयं हनुमान जी है तब राजा प्रताप रुद्र ने तुरंत उस मूर्ति के आगे दंडवत प्रणाम किया और राजा बहुत देर तक श्रद्धापूर्वक उसी मूर्ति के आगे प्रार्थना की मुद्रा में बैठा रहा और फिर वापस सोने चला गया।

जब राजा को गहरी नींद आई तो उसने स्वप्न देखा और उस स्वप्न में स्वयं हनुमान जी प्रकट हुए और राजा से कहा कि वह यहां पर उनका मंदिर बनाए।

स्वप्न देखकर राजा की नींद खुल गई और वहां से तुरन्त अपने राज्य की ओर वापस चल पड़ा।

अपने राज्य में पहुंचकर राजा ने एक अपने समस्त मंत्रियों सलाहकारों और विद्वानों को बुलाकर एक विशेष आपातकालीन सभा बुलाई और उसमें अपने सपने के बारे में सबको बताया,

राजा द्वारा बताए हुए स्वप्न से आश्चर्यचकित सभी लोगों ने एक सुर में कहा - "हे राजेंद्र निश्चित रूप से यह आपके लिए बहुत ही शुभ स्वप्न है और इससे आपका कीर्तिवर्धन होगा और आपका राजू निरंतर उन्नति करेगा आपको तुरंत यहां पर एक मंदिर बनाना चाहिए।"

शुभ मुहूर्त में मंदिर का निर्माण शुरू हुआ ठीक उसी स्थान पर जहां राजा ने श्री हनुमान जी की मूर्ति को भगवान श्री राम का जप करते देखा था और राजा ने एक बहुत ही सुंदर मंदिर का निर्माण कर दिया।

श्रीराम का ध्यान करते हनुमान जी के इस मंदिर को नाम दिया गया ₹ ध्यानञ्जनेय स्वामी₹ मन्दिर।

धीरे-धीरे इस मंदिर की ख्याति चारों तरफ फैल गई और दूर दूर के राज्यों से लोग इस के दर्शन करने आने लगे।

इस दैवीय घटना के लगभग 500 वर्ष बाद अबुल मुजफ्फर मोहीउद्दीन मोहम्मद औरंगजेब जिसे औरंगजेब के नाम से ही सर्वस्व ख्याति प्राप्त थी मुग़ल सल्तनत का बादशाह बना।

इस दुष्ट, लालची और क्रूर औरंगजेब का एक और नाम था आलमगीर जिसका मतलब होता है विश्व विजेता। इस आलमगीर औरंगजेब के सिर्फ दो ही मकसद थे।

1. सबसे पहले पूरे भारतीय महाद्वीप पर अपना मुगल सामराज्य फैलाना ।

2.इस्लाम की स्थापना करना और हिंदू मंदिरों को तोड़ना इस दुनिया से हिंदू धर्म का समापन और सभी जगह इस्लाम का विस्तार वाद।

सूफी फकीर सरमद कासनी और माँ भारती के सिंह सपूत गुरु तेग बहादुर जी ने औरंगजेब के अत्याचारों के खिलाफ बड़ी मुहिम खड़ी कर दी थी जिससे उसकी सल्तनत हिल गई थी ।

औरंगजेब ने उनसे बदला लेने के लिए जहां सूफी संत का सिर कलम करवा दिया था वही जबरन मुसलमान बनाए जाने के विरोध जब गुरु गोविंद गुरु तेग बहादुर जी ने किया और जबरन उसका इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं किया तो औरंगजेब ने उन्हें भी मरवा दिया ।

इतिहासकारों के अनुसार

औरंगज़ेब ने हिंदुओं के 15 मुख्य मंदिर तोड़े और तोड़ने का प्रयास किया। जिसमें काशी विश्वनाथ, सोमनाथ और केशव देव मंदिर भी हैं।

औरंगज़ेब समेत मुग़ल काल में 60 हजार से भी अधिक मंदिर ध्वस्त कर दिए गए थे, जिनमें सबसे अधिक हानि औरंगज़ेब के समय ही हुई।

अपने मुगल साम्राज्य और इस्लाम के विस्तारवाद के ध्येय से उत्तर भारत के राज्यों को जीत कर और यहां के मंदिरों को लूट और तोड़ कर ज़ालिम औरँगजेब ने दक्खन की तरफ रुख किया।

दक्खन में उसका सबसे बड़ा निशाना था गोलकुंडा का किला क्योंकि बेहद बेशकीमती हिरे जवाहरातों से भरे खजानो से वो दुनिया के सबसे अमीर किलों और राज्यों में से एक था और वहां कुतुबशाही वंश का राज्य कायम था।

अपनी विशाल क्रूर सेना के साथ औरंगजेब के लिए कोई मुश्किल काम नहीं था और सन 1687 में उसने गोलकुंडा के किले पर अपना कब्जा जमा लिया। गोलकुंडा का किला धन से भले ही सबसे अमीर था पर वहां के सुल्तान की शक्ति और सैन्यबल मुग़ल आक्रांता के सामने बेहद क्षीण थी।

किले पर कब्जे के बाद उसने वहां के मंदिरों को ध्वस्त करने का अभियान शुरू किया और इसी क्रम मे उसका वो हैदराबाद के बाहरी इलाके में बसे एक हनुमान मंदिर में पहुंचा और अपीने सेनापति को इस मंदिर को गिराने का आदेश देकर चला गया।

औरँगज़ेब का दुर्भाग्य था कि ये वही ध्यानञ्जनेय स्वामी का मंदिर था।

मंदिर के बाहर आलमगीर के सेनापति ने कहा कि मंदिर के भीतर से सभी पुजारी, कर्मचारी और भक्त बाहर निकल आये वरना सबको मौत की नींद सुला दिया जायेगा।

मृत्यु के भय से थर थर कांपते मंदिर के अंदर मौजूद सभी पुजारी एवं अन्य लोग भगवान श्रीराम के ध्यान में लीन श्री हनुमान जी को प्रणाम कर इस विपदा को रोकने की प्रार्थना करते हुए बाहर निकल आये।

अपने इष्टदेव का मंदिर टूटते देखनेका साहस किसी में नहीं था इसलिए सबने इस दुर्दांत दृश्य के प्रति अपनी आंखें बंद कर लीं और मन ही मन हनुमान जी का स्मरण करने लगे।

मुग़ल सेनापति ने उन्हें एक तरफ खड़े हो जाने को कहा और अपनी सेना को हुक्म दिया की मंदिर तोड़ दो। सैनिक मंदिर की तरफ बढ़ने लगे।

तभी मंदिर के प्रमुख पुजारी सेनापति के पास आये और बोले - हे सेनापति मुझे आपके हाथों मृत्यु होने का कोई भय नहीं है, मैं आपसे विनम्र प्रार्थना करता हूँ कृपया कुछ क्षण के लिए मेरी बात सुन लीजिये।

अपने काम के बीच में आने से गुस्से से भरा सेनापति बोला - जल्दी कहो ब्राह्मण

पुजारी जी बोले-

ये श्रीराम के ध्यान में लीन श्री हनुमान जी का मंदिर है। हनुमान जी सभी देवताओं में सबसे बलशाली है, उन्होंने अकेले ही रावण की पूरी लंका को जला कर राख कर दी थी। कृपया उनका ध्यान भंग न करें और मंदिर न तोड़िये अन्यथा वो शांत नहीं बैठेंगे। मैं आपके ही भले के लिए कह रहा हूँ, मेरी बात मानिये और ये काम मत कीजिये, हनुमान जी बहुत दयालु हैं आपको माफ़ कर देंगे।

क्रूर सेनापति इससे अधिक नहीं सुन सकता था। उसे तो इस्लाम का झंडा फहराने की जल्दी थी।

बोला- ऐ ब्राह्मण ... अपना मुंह बंद करो और यहां से दूर हट जाओ वरना मैं पहले तुम्हे मारूँगा और फिर इस मंदिर को तोडूंगा।

देखते हैं कैसे तुम्हारे ताकतवर हनुमान हमारे हाथों से इस मंदिर को टूटने से बचाते हैं? जिन्होंने पहले भी इससे कहिं ज्यादा बड़े मंदिर तोड़े हैं।

सेनापति अपनी सेना की तरफ मुड़ा और उसे मंदिर तोड़ने का आदेश दिया।

अगले कुछ क्षणों में क्या होने वाला है..??

इस बात से अंजान मुगल सैनिक मंदिर तोड़ने के हथियार हथौड़े, सब्बल कुदाल आदि लेकर एक बहुत बड़ी बेवकूफी करने के लिए मंदिर की तरफ बढ़ने लगे।

फिर...

पहले सैनिक ने जैसे ही अपने हाथों में सब्बल लेकर मंदिर की दीवार पर प्रहार करने के लिए हाथ उठाया ...

वो मूर्तिवत खड़ा रह गया जैसे बर्फ में जम गया हो या पत्थर का हो गया हो। वो न अपने हाथ हिला पा रहा था और न ही औजार। भीषण भय से भरी नजरों से वो मंदिर की दीवार की तरफ देखे जा रहा था।

कुछ ऐसी ही स्थिति एक एक कर उन सभी सैनिकों की होती गयी जो मंदिर तोड़ने के लिए औजार लेकर हमला करने बढ़े थे।

सब के सब मूर्ति की तरह खड़े रह गए थे।

महान मुगल बादशाह के सैकड़ों मंदिर तोड़ चुके सेनापति के लिए ये अविश्वसनीय चमत्कार एक बहुत झटका था।

उसने तुरंत छिपी हुई नज़रों से मंदिर के प्रमुख पुजारी के चेहरे की तरफ देखा जिन्होंने कुछ पलों पहले उसे मंदिर तोड़ने से रोका था, और देखा की पुजारी जी शांत भाव से सेनापति को देख रहे थे।

उसने तुरंत पलटते हुए सेना को आदेश दिया की फौरन बादशाह सलामत के दरबार में हाज़रि हों।

सेनापति खुद औरंगज़ेब के सामने पहुँचा और बोला-

'जहाँपनाह, आपके हुक्म के मुताबिक हमने उस हनुमान मंदिर को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन हम उसे तोड़ने के लिए एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पाये।'

'जहाँपनाह, जरूर उस मंदिर में कोई रूहानी ताकत है... मंदिर के पुजारी ने भी कहा था कि हनुमान हिन्दुओ के सब देवताओं में सबसे ताकतवर देवता है।

जहांपनाह की इजाज़त हो तो मेरी सलाह है कि हम अब उस मंदिर की तरफ नज़र भी न डालें।'

अपने सेनापति की नाकामी और बिन मांगी सलाह से गुस्से में भरा औरंगज़ेब चीखते हुए बोला-

'खामोश, बेवकूफ, अगर तुम्हारी जगह कोई और होता तो हम अपनी तलवार से उसके टुकड़े कर देते। तुम पर इसलिये रहम कर रहे हैं क्योंकि तुमने बहुत सालों से हमारे वफादार हो।'

'सुनो... अब सेना की कमान मेरे हाथ रहेगी, मोर्चा मैं सम्हालूंगा। कल हम उस हनुमान मंदिर जायेंगे और मैं खुद औज़ार से उस मंदिर को तोडूंगा।

देखता हूँ कैसे वो हिन्दू देवता हनुमान मेरे फौलादी हाथों से अपने मंदिर को टूटने से बचाता है।

मैं ललकारता हूँ उस हनुमान को..."

अगले दिन सुबह

आलमगीर औरंगज़ेब एक बड़े से लश्कर के साथ उस हनुमान मंदिर को तोड़ने चल पड़ा।

हालाँकि उसके वो सैनिक पिछले दिन की घटना को याद कर मन में बेहद घबराये हुए थे पर अपने ज़ालिम बादशाह का हुक्म भी उन्हें मानना था वरना वो उन्हें मारकर गोलकुंडा के मुख्य चौक पर टांग देता।

मन ही मन हनुमान जी से क्षमा मांगते हुए वो सिपाही चुपचाप मंदिर की तरफ बढ़ने लगे।

मंदिर पहुंचकर औरंगज़ेब ने आदेश दिया की भीतर जो भी लोग हैं तुरन्त बाहर आ जाएं वरना जान से जायेंगे।

"विनाश काले विपरीत बुद्धि" मन ही मन कहते हुए मंदिर के अंदर से सभी पुजारी और कर्मचारी बाहर आ गए।

उनकी तरफ अपनी अंगारो से भरी लाल आँखें तरेरता हुआ गुस्से से भरा औरंगजेब बोला-

"अगर किसी ने भी अपना मुंह खोला तो उसकी ज़बान के टुकड़े टुकड़े कर दूंगा, खामोश एक तरफ खड़े रहो और चुपचाप सब देखते रहो।"

(वो नहीं चाहता था कि पुजारी फिर से कुछ बोले या उसे टोके और उसका काम रुक जाए)

वहां खड़े सब लोग भय से भरे खड़े थे और औरंगज़ेब की बेवकूफी को देख रहे थे। औरंगज़ेब ने एक बड़ा सा सब्बल लिया और बादशाही अकड़ के साथ मंदिर की तरफ बढ़ने लगा।

उस समय जैसे हवा भी रुक गयी थी, एक महापाप होने जा रहा था, भयातुर दृष्टि से सब औरंगजेब की इस करतूत को देख रहे थे जो 'पवनपुत्र' को हराने के लिए कदम बढ़ा रहा था।

अगले पलों में क्या होगा इस बात से अंजान और आस पास के माहौल से बेखबर, घमण्ड से भरा हुआ औरंगजेब मंदिर की मुख्य दीवार के पास पहुंचा और जैसे ही उसने दीवार तोड़ने के लिए सब्बल से प्रहार करने के लिए हाथ उठाया...

उसे मंदिर के भीतर से एक भीषण गर्जन सुनाई पड़ा, इतना तेज़ और भयंकर की कान के पर्दे फट जाएँ, जैसे हजारों बिजलियां आकाश में एक साथ गरज पड़ी हों....

यह गर्जन इतना भयंकर था कि हजारों मंदिर तोड़ने वाला और हिंदुस्तान के अधिकतर हिस्से पर कब्जा जमा चूका औरंगज़ेब भी डर के मारे मूर्तिवत स्तब्ध और जड़ हो गया, और..

उसने अपने दोनों हाथों से अपने कान बन्द कर लिए।

वो भीषण गर्जन बढ़ता ही जा रहा था

औरंगज़ेब भौचक्का रह गया था...

औरंगज़ेब जड़ हो चूका था...

निशब्द हो चूका था...

काल को भी कंपा देने वाले उस भीषण गर्जन को सुनकर वो पागल होने वाला था

लेकिन अभी उसे और हैरान होना था

उस भीषण गर्जन के बाद मंदिर से आवाज़ आयी

..." अगर मंदिर तोडना चाहते हो राजन, तो कर मन घाट"

(यानि हे राजा अगर मंदिर तोडना चाहते हो तो पहले दिल मजबूत करो)

डर और हैरानी भरा हुआ औरंगज़ेब इतना सुनते ही बेहोश हो गया।

इसके बाद क्या हुआ उसे पता भी न चला।

मंदिर के भीतर से आते इस घनघोर गर्जन और आवाज़ को वहां खड़े पुजारी और भक्तगण समझ गए की ये उनके इष्ट देव श्री हनुमानजी की ही आवाज़ है

उन सभी ने वहीं से बजरँगबली को दण्डवत प्रणाम किया और उनकी स्तुति की।

उधर बेहोश हुए औरंगज़ेब को सम्हालने उसके सैनिक दौड़े और उसे मंदिर से निकाल कर वापस किले में ले गए।

हनुमान जी के शब्दों से ही उस मंदिर का नया नाम पड़ा जो आज तक उसी नाम से जाना जाता है-

" करमन घाट हनुमान मंदिर"

इस घटना के बाद लोगो में इस मंदिर के प्रति अगाध श्रद्धा हुई और इस मंदिर से जुड़े अनेकों चमत्कारिक अनुभव लोगों को हुए।

सन्तानहीन स्त्रियों को यहां आने से निश्चित ही सन्तान प्राप्त होती है और अनेक गम्भीर लाइलाज बीमारियों के मरीज यहाँ हनुमान जी की कृपा से स्वस्थ हो चुके हैं।

।।जय श्री राम।।

इसी सप्ताह आ सकती है भाजपा की दूसरी लिस्ट, नुपूर शर्मा सहित टिकट की रेस में ये नेता

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए भाजपा की दूसरी सूची इसी सप्ताह जारी होने की उम्मीद है। पार्टी नेताओं के साथ चर्चा के बाद अधिकांश सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं। दूसरी सूची में लगभग 30 उम्मीदवार हो सकते हैं जिसमें पूर्वांचलियों को भी उचित प्रतिनिधित्व मिलने की बात कही जा रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई है, लेकिन भाजपा अब तक अपने प्रत्याशियों का चयन नहीं कर सकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच जनवरी को हुई रैली से एक दिन पहले पार्टी ने 29 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की थी। शेष प्रत्याशियों की घोषणा का इंतजार बढ़ रहा है।

इससे पार्टी का चुनाव प्रचार भी प्रभावित हो रहा है। आम आदमी पार्टी (AAP) के सभी प्रत्याशी अपने क्षेत्र में जनता के बीच पहुंच रहे हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं को टिकट की घोषणा का इंतजार है।

दूसरी सूची इसी सप्ताह आने की उम्मीद

बताया जा रहा है कि दिल्ली के नेताओं के साथ चर्चा कर अधिकांश सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए हैं। केंद्रीय चुनाव समिति से अनुमति मिलने के बाद घोषणा की जाएगी। इसी सप्ताह पार्टी दूसरी सूची जारी होने की उम्मीद है। दूसरी सूची में लगभग 30 उम्मीदवार हो सकते हैं। इसमें पूर्वांचलियों को भी उचित प्रतिनिधित्व मिलने की बात कही जा रही है।

नुपूर शर्मा को भी मिलेगी टिकट!

कई नेता नुपूर शर्मा को भी चुनाव मैदान में उतारने के पक्ष में हैं। विवादित बयान के कारण दो वर्ष पहले उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। इस बारे में अंतिम निर्णय केंद्रीय चुनाव समिति को करना है।

भाजपा के कब्जे वाली 5 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

पहली सूची में भाजपा के कब्जे वाली सात में से पांच विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी तय कर लिए गए हैं। रोहिणी से विजेंद्र गुप्ता, घोंडा से अजय महावर, विश्वासनगर से ओम प्रकाश शर्मा और रोहतास नगर से जितेंद्र महाजन को फिर से चुनाव मैदान में उतारा गया है। गांधीनगर से विधायक अनिल वाजपेई की जगह पूर्व मंत्री अरविंदर सिंह लवली को टिकट दिया गया है।

लक्ष्मीनगर और करावल नगर से ये उम्मीदवार हैं दावेदार

दूसरी सूची में लक्ष्मीनगर और करावल नगर से भी उम्मीदवार घोषित हो सकते हैं। लक्ष्मीनगर से विधायक अभय वर्मा के साथ ही आप से भाजपा में आने वाले पूर्व विधायक नितिन त्यागी व भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष लता गुप्ता भी दावेदार हैं। करावल नगर से विधायक मोहन सिंह बिष्ट के साथ ही कपिल मिश्रा के नाम की चर्चा है।

भाजपा ने दो पूर्व सांसदों को मैदान में उतारा

पार्टी ने दो पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध नई दिल्ली से और रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री आतिशी के सामने कालकाजी से चुनाव मैदान में उतारा है। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी कस्तूरबा नगर से टिकट की दौड़ में बताई जा रही हैं। यहां से कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व विधायक नीरज बसोया, भाजपा नेता धर्मवीर सिंह व रविंद्र चौधरी भी दावेदार हैं।

आप ने भाजपा छोड़कर आने वाले जितेंद्र सिंह शंटी को शाहदरा से चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, जिला अध्यक्ष संजय गोयल के साथ ही पंकज लूथरा व आदित्य झा दावेदार हैं। शंटी के भाई व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य बलबीर सिंह का नाम भी चर्चा में है।

दिल्ली चुनाव में बंटा इंडी गठबंधन, अखिलेश-ममता ने चला बड़ा दांव; आप और कांग्रेस पर कैसा होगा असर?

परिवहन विशेष न्यूज़

दिल्ली विधानसभा चुनाव में विपक्षी इंडी गठबंधन अब बंटता दिख रहा है। लोकसभा चुनाव साथ लड़ने वाली आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अब एक-दूसरे पर तीखे हमले बोलने से गुरेज नहीं कर रही हैं। वहीं चार अन्य दलों ने भी अपनी स्थिति लगभग साफ कर दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी की सियासी चाल का क्या होगा असर? आइए पढ़ते हैं...

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ कांग्रेस की आक्रामक चुनावी रणनीति को लेकर विपक्षी आईएनडीआई गठबंधन दो खेमों में बंटता दिख रहा है।

आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कांग्रेस के मुखर तेवरों को रोकने के लिए पर्दे के पीछे हुई अपनी कोशिशों की नाकामयाबी के बाद आईएनडीआईए में शामिल चार क्षेत्रीय पार्टियों ने दिल्ली चुनाव में आप का समर्थन करने का बुधवार को खुलकर एलान कर दिया।

केजरीवाल के साथ रैली करेंगे अखिलेश

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने जहां केजरीवाल के साथ चुनाव में सभा करने की घोषणा की है, वहीं ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने भी आप को अपना नैतिक समर्थन दिया है। विपक्षी खेमे में शामिल राजद और शिवसेना यूबीटी भी भाजपा को हराने में केजरीवाल के ही सक्षम होने की दलील देते हुए अपने समर्थन का साफ संदेश दिया है।

कांग्रेस के लिए चिंता का सबब

आईएनडीआईए के इन चारों सहयोगी दलों के कांग्रेस की आप को समर्थन देने के इस रूख से राजधानी दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस की जमीनी राजनीति पर भले कोई फर्क नहीं आएगा। मगर राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की सियासत के लिहाज से इन पार्टियों का रूख पार्टी की चिंता का सबब जरूर बना रहेगा।

कांग्रेस की दावेदारी पर उठे सवाल

विशेषकर यह देखते हुए कि हरियाणा और महाराष्ट्र में भाजपा से सीधे चुनावी मुकाबले में तमाम संभावनाओं के बावजूद कांग्रेस की अप्रत्याशित हार के बाद सहयोगी दलों का दबाव बढ़ा है। इन दोनों राज्यों के चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस जैसे दल ने विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने की कांग्रेस की स्वाभाविक दावेदारी पर सवाल उठाए थे।

हालांकि राष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों को भली-भांति समझते हुए भी फिलहाल दिल्ली के चुनाव में अपने सहयोगी दलों के दबाव में नहीं आने की दृढ़ता दिखा रही, कांग्रेस राज्यों में अपनी राजनीतिक जमीन वापस हासिल करने की अपरिहार्य जरूरत को गहराई से महसूस कर रही है।

''जीवन रक्षा योजना'' 25 लाख तक दिल्लीवासियों का इलाज मुफ्त

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेट के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव की मौजूदगी में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली में कांग्रेस की दूसरी गारंटी ''जीवन रक्षा योजना'' के तहत 25 लाख रुपये के तहत मुफ्त इलाज की घोषणा करके दिल्ली की लगभग 3 करोड़ जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जिम्मेदारी निभाने का वादा किया। जीवन रक्षा योजना कांग्रेस की दूसरी गारंटी है जबकि पहली प्यारी दीदी योजना के तहत हम दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपये प्रतिमाह देंगे।

संवाददाता सम्मेलन में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ अ0भा0क0कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डा0 योगानन्द शास्त्री, प्रो0 किरण वालिया और डा0 नरेन्द्र नाथ, पूर्व विधायक और सदर विधानसभा प्रत्याशी अनिल भारद्वाज, नेशनल कॉआर्डिनेटर अभय दूबे भी मौजूद थे।

अशोक गहलोत ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस सरकार बनने पर दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी का काम सरकार उठाऐगी। हम राजस्थान की चिरंजीवी योजना की तर्ज पर जीवन रक्षा योजना को दिल्ली के लिए लाये है। यह एक यूनिवर्सल बीमा योजना होगी जिसमें बच्चा जन्म से वृद्धावस्था तक हर उम्र, हर वर्ग को इस योजना का हकदार बनाया जाऐगा। जीवन रक्षा योजना में सभी सरकारी और प्राईवेट अस्पताल शामिल होंगे जिसमें हर दिल्लीवासी को मुफ्त मिलेगा। यह एक क्रांतिकारी कदम है और दिल्ली में सरकार बनने के तुरंत बाद हम दिल्लीवासियों को राजस्थान की तर्ज पर स्वास्थ्य का अधिकार देंगे। उन्होंने कहा कि जीवन रक्षा योजना गेम चेंजर साबित होगी। या जाएगा और सत्ता परिवर्तन में लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

उन्होंने बताया कि राजस्थान में चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत 55 लाख लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस योजना के तहत 25 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज कराने का प्रावधान रखा गया। इस योजना को शहर के सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में लागू किया गया था और कोविड जैसी गंभीर बीमारी के साथ 1000 से अधिक चिकित्सा प्रक्रियाओं को कवर किया गया था। चिरंजीवी योजना के तहत 10 लाख रुपये एक्सीडेंटल कवरेज किया गया था। चिरंजीवी योजना में सीटी/एमआरआई/डॉपलर सहित अंग ट्रांसप्लांट की सुविधाओं का लोगों को लाभ मिला। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी योजना में ऑउट ऑफ पॉकेट एक्सपेंडिचर का कम करके यूनिवर्सल इंश्योरेंस कवरेज के दायरे में लाया गया है और 74 प्रतिशत ऑउट ऑफ पॉकेट एक्सपेंडिचर को 2018-19 में कांग्रेस सरकार ने 45 प्रतिशत तक पहुँच गया था।

गहलोत ने कहा कि भारत सरकार की आयुष्मान योजना के अंतर्गत 5 लाख का बीमा के दायरे में सिर्फ सामाजिक, आर्थिक व जातिगत जनगणना के पात्र 40 प्रतिशत परिवार ही दायरे में आते है अगर मोदी सरकार लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा को गंभीरता से लेकर चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना को देश भर में लागू करे तो करोड़ो लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। क्योंकि राजस्थान

में चिरंजीवी योजना के अंतर्गत अगर किसी ने पंजीकरण भी नही किया था तब भी उसका अस्पताल में सारी प्रक्रिया करके तुरंत इलाज शुरु किया जाता था और योजना के तहत 5 दिन पहले और अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद 15 दिन का खर्चा भी इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा उठाया जाता था।

यादव ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने पर जीवन रक्षा योजना को राजस्थान की चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना को आधार बनाकर दिल्ली में लागू करके स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाकर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का काम करेंगे। हर दिल्लीवासी का 25 लाख रुपये का मुफ्त इलाज देकर उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा देंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली में जीवन रक्षा योजना इसलिए जरुरी है क्योंकि यहां हवा में जहर, पानी दूषित है, खाने में मिलावट के कारण लोग गंभीर बीमारियों में जकड़ते जा रहे है। आज दिल्ली बीमार सी नजर आती है क्योंकि पिछले 11 वर्षों में दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली के अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त कर दी है।

यादव ने कहा कि जीवन रक्षा योजना की दिल्ली में जरुरत इसलिए है कि दिल्ली में गरीब आदमी उन मौहल्ला क्लीनिकों पर इलाज के लिए निर्भर है जहां न तो डाक्टर है, न दवाई, न टेस्ट की सुविधा और नही कोई इलाज के लिए वातावरण। उन्होंने बताया कि केजरीवाल सरकार की स्वास्थ्य के क्षेत्र में निष्क्रियता के चलते हर वर्ष बीमारियों के आकंडे लगातार बढ़ रहे है और सरकार ने कुछ आंकड़े जारी किए जो इस प्रकार है कि डेंगू के 10182 मामले, डायरिया के 163388, सांस लेने में दिक्कत के 381292, टायफाईड के 16256, निमोनिया के 12326, टी.बी. के 76831 और डायबिटीज के 97484 मामले दर्ज हुए है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में स्वास्थ्य का सरकारी ढांचा ध्वस्त हो चुकी है और अरविन्द केजरीवाल पूरी तरह नाकाम साबित हुए है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में जीवन रक्षा योजना को लाने की जरुरत इसलिए भी पड़ी कि इस पर कांग्रेस का भरोसा है, राहुल गांधी जी का भरोसा है, कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी का भरोसा है और इसके पीछे राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोट का भरोसा लेकर हम चले है। हम दिल्ली को भरोसा दिलाना चाहते है कि कांग्रेस आपके स्वास्थ्य के प्रति चिंतित है और दिल्ली के हर व्यक्ति के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी 5 फरवरी के बाद 8 फरवरी को चुनाव परिणाम आने के बाद सरकार बनाने के बाद कांग्रेस जीवन रक्षा योजना को लागू करके निभाऐगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने कहा कि कांग्रेस की विश्वसनीयता और भरोसे पर दिल्ली की जनता कांग्रेस को वोट देगी। उन्होंने कहा कि हम दूसरी गारंटी जीवन रक्षा योजना दिल्ली के लिए लेकर आए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो भी योजना लेकर आती है उसे पूरा करती हैं। जहां भी कांग्रेस की सरकार वो अपनी गारंटी को पूरी कर रही है या पूर्ववर्ती सरकारों ने गारंटियों को पूरी करके दिखाया है। जनता कांग्रेस पर विश्वास करती है, यकीन करती है, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर विश्वास करती है, राहुल गांधी पर विश्वास करती है, इसलिए हम कोई ऐसी घोषणा नही करना चाहते जिसे पूरा न कर सकें। कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतने के बाद सरकार बनने पर जीवन रक्षा योजना को लागू करके दिल्ली वालों के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाऐगी।

भाजपा ने हमें रोककर साबित कर दिया कि वह सीएम आवास के बारे में झूठ बोल रही थी और प्रधानमंत्री आवास के बारे हमारे आरोप सत्य हैं- संजय सिंह

मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास को लेकर भाजपा द्वारा फैलाया जा रहा झूठ बुधवार को उजागर हो गया। अपने वादे के मुताबिक आम आदमी पार्टी के नेता जब मीडिया को साथ लेकर सीएम आवास और राजमहल (पीएम अवास) देखने पहुंचे तो अपनी पोल खुलने की डर से भाजपा ने दिल्ली पुलिस लगाकर उन्हें रोक दिया। उनके बीच काफी देर नोंकझोंक हुई, लेकिन पुलिस ने उन्हें आवास के अंदर जाने नहीं दिया। इस पर ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि मैंने सुना है कि "राजमहल" में एक सिंहासन भी है, जिसकी क़ीमत 150 करोड़ से ज्यादा है। जबकि, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि जब इनके झूठ को उजागर करने संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज गए तो झूठे प्रोपेगैंडा की पोल खुलने की डर से गाली-गलौज पार्टी ने पुलिस को आगे कर उनका रास्ता रुकवा दिया। अगर देश को पता चल जाता कि सीएम आवास में स्विमिंग पूल, सोने का टॉयलेट और मिनी बार नहीं है, तो गाली-गलौज पार्टी की गालियां झूठी साबित हो जातीं।

अपने वादे के मुताबिक बुधवार को सुबह 11 बजे आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ मीडिया को लेकर पहले सीएम आवास पहुंचे लेकिन भाजपा की दिल्ली पुलिस ने वहां बैरिकेडिंग करके उन्हें रोक लिया। संजय सिंह ने पुलिस अधिकारियों से रोकने का कारण पूछा तो उनका कहना था कि ऊपर से आदेश है। संजय सिंह ने कहा कि हम दो लोग ही अंदर जाएंगे, उसमें आपत्ति नहीं होनी चाहिए। बिना कारण के किसी को नहीं रोक सकते हैं। पुलिस को हमें रोकने का कारण बताना चाहिए। पुलिस के बैरिकेडिंग खोलने से मना करने पर संजय सिंह ने कारण पूछा लेकिन पुलिस अधिकारी कारण नहीं बता सके। इस दौरान मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पुलिस से सीएम आवास के अंदर जाने की वजह बताते हुए कहा कि भाजपा आरोप लगती है कि आवास में स्विमिंग पूल, सोने के टॉयलेट और मिनी बार बना हुआ है। हम मीडिया को यही दिखाने के लिए आए हैं कि ये सब कहां है? लेकिन पुलिस नहीं जाने दी। इसके बाद संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज प्रधानमंत्री का राजमहल देखने के लिए मीडिया के साथ निकले, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया। संजय सिंह ने यहां भी रोकने का कारण पूछा,

लेकिन पुलिस संतोष जनक जवाब नहीं दे पाई। कुछ देर तक उनके बीच बहस हुई, लेकिन पुलिस ने उन्हें प्रधानमंत्री आवस के अंदर नहीं जाने दिया और उन्हें दूर से ही वापस कर दिया।

इस संबंध में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि गाली-गलौज पार्टी के नेता लगातार चिल्ला रहे थे कि अरविंद केजरीवाल जी ने मुख्यमंत्री आवास पर स्विमिंग पूल बनवा दिया है, सोने के टॉयलेट लगवा दिए हैं, मिनी बार बनवा दिया है। इनके इस झूठ को उजागर करने जब संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज मीडिया के साथ आगे बढ़े, तो झूठे प्रोपेगैंडा की पोल खुलने की डर से गाली-गलौज पार्टी ने दिल्ली पुलिस को आगे कर उनका रास्ता रुकवा दिया। नियत साफ है, अगर मीडिया के सामने यह पोल खुल जाती कि न तो केजरीवाल जी ने कोई स्विमिंग पूल बनवाया है, न कोई सोने के टॉयलेट लगवाए हैं और ना ही कोई मिनी बार बनाई है, तो इस गाली-गलौज पार्टी की गालियां झूठी साबित हो जाती। इसलिए पुलिस से रास्ता रुकवाया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय झूठा पार्टी के हर कार्यकर्ता को यह जानना चाहिए कि उनके स्वघोषित राजा का राजमहल कैसा होता है। देश की जनता को भी यह जानना जरूरी है कि करोड़ों के झूमर, महंगे कालीन, और लाखों के पेन कैसे होते हैं। अरविंद केजरीवाल जी को बदनाम करने वालों को यह समझ लेना चाहिए कि हम सच्चे हैं, ईमानदार हैं, और इसी ईमानदारी के दम पर भाजपा के झूठ को जनता के सामने उजागर करने का साहस रखते हैं। यह आम आदमी की ललकार है।

सीएम आवास के बाहर रोके जाने पर संजय सिंह ने कहा कि आज भाजपा का दुष्प्रचार उजागर हो गया। यह साबित हो गया कि भाजपा भारतीय झूठा पार्टी है। कई महीनों से भाजपा वाले चिल्ला- चिल्लाकर कहते थे कि इस मुख्यमंत्री आवास में सोने का टॉयलेट है। यहां स्विमिंग पूल है, मिनी बार है। आज मैं मीडिया को यहां लेकर आया। हमारे मंत्री सौरभ भारद्वाज आए। देश के चौथे स्तंभ मीडिया को हमने कहा कि चलिए देखते हैं कि सोने का टॉयलेट, मिनी बार और स्विमिंग पूल कहां है, लेकिन सिर्फ दो लोगों के लिए वॉटर कैनन की बस लगा दी गई। इतने सारे पुलिस वाले लगा दिए गए। क्या हम कोई आतंकवादी हैं? देश के सर्वोच्च सदन के सदस्य हैं। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री हैं। इतनी पुलिस क्यों लगा रखी है? क्यों रोक रहे हैं? इसका मतलब भाजपा झूठ बोल रही है।

वहीं, प्रधानमंत्री आवास के बाहर पुलिस द्वारा रोकने पर संजय सिंह ने कहा कि भाजपा का झूठ आज पूरे देश के सामने उजागर हो गया है। ये लोग कहते थे कि मुख्यमंत्री आवास में सोने का टॉयलेट, मिनी बार और स्वीमिंग पूल है। हम मीडिया को वहां लेकर गए। हमारे मंत्री सौरभ भारद्वाज और हम दोनों लोग वहां गए। लेकिन पुलिस की छावनी बनाकर हमें वहां जाने नहीं दिया गया। हमने कहा कि प्रधानमंत्री का राजमहल जो 2700 करोड़ रुपए का बना है, चलिए उसको देख लेते हैं। यहां पर आए तो यहां पुलिस की छावनी बनाकर यहां रोक दिया। इसका मतलब हमारे आरोप पूरी तरह से सत्य हैं। 6700 जोड़ी जूते, 5000 सूट के अलावा 200 करोड़ रुपए की झूमर से लेकर 300 करोड़ रुपए की कालीन प्रधानमंत्री आवास में मौजूद है और वो उसे दिखाना नहीं चाहते हैं। मुख्यमंत्री आवास की चाबी तो पीडब्ल्यूडी के पास है, लेकिन यहां तो प्रधानमंत्री हैं। उनका घर खुला हुआ है। वो सबको दिखा सकते। अगर भाजपा ये बहस चला रही है तो प्रधानमंत्री का आवास क्यों नहीं दिखा रही है? वो मोदी जी का घर क्यों नहीं दिखाती? मोदी जी 8400 करोड़ रुपए के जहाज में चलते हैं। 10-10 लाख की कलम इस्तेमाल करते हैं। दिन में तीन-तीन बार सूट बदलते हैं। 12-12 करोड़ की 6 गाड़ियां उनके काफिले में हैं। भाजपा इसे दिखाना नहीं चाहती है। इससे साबित हो गया कि मुख्यमंत्री आवास के बारे में जो झूठ फैलाया जा रहा था वो भारतीय झुट्ठा पार्टी का एक दुष्प्रचार था। और प्रधानमंत्री आवास के बारे में हमने जो कुछ भी कहा वो दिखाने के लिए मोदी जी और भाजपा तैयार नहीं है। ये लोग पूछे हट गए हैं। इसका मतलब दाल में काला नहीं पूरी की पूरी दाल ही काली है

प्रधानमंत्री आवास के बाहर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह जो तेरा घर, मेरा घर की बहस है, किसका घर कितने का बना, किसके घर में स्विमिंग पूल है और किसके घर में सोने का टॉयलेट है, इस बहस को खत्म करने के लिए आज हम लोग दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक निवास गए और प्रधानमंत्री आधिकारिक निवास पर आए हैं। मंगलवार को राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा को चुनौती देकर कहा था कि हम मुख्यमंत्री निवास का दर्शन मीडिया के माध्यम से पूरे देश को कराना चाहते हैं और आप भी प्रधानमंत्री निवास के दर्शन मीडिया के हवाले से पूरे देश की जनता को करा दीजिए। अब भाजपा इस बहस से भाग रही है और हम इस बहस को करने के लिए आ गए हैं। हम भाजपा को यह कहना चाहते हैं कि छिप-छिपकर तीर मत चलाइए, सामने आइए और दोनों निवास स्थानों के दर्शन देश की जनता को कराइए।

इनके आने से गांधी नगर समेत आसपास की विधानसभाओं में भी आम आदमी पार्टी को बहुत ताकत मिलेगी- संजय सिंह

मुख्य संवाददाता /सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को छोड़कर गए हसीब उल हसन बुधवार को वापस अपने घर लौट आए। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में पटका और टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया। संजय सिंह ने कहा कि हसीब उल हसन और उनके साथियों के आने से गांधी नगर समेत आसपास की विधानसभाओं में भी आम आदमी पार्टी को बहुत ताकत मिलेगी। यह लोग गांधीनगर से पार्टी के प्रत्याशी दीपू चौधरी को अपने क्षेत्र से भारी मतों से जिताने का काम करेंगे।

संजय सिंह ने कहा कि गांधी नगर से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी दीपू चौधरी के प्रयासों से पूर्व निगम पार्षद हसीब उल हसन और उनके साथ सैकड़ों साथी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं। इससे न सिर्फ गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में बल्कि आस-पास की विधानसभाओं में भी आम आदमी पार्टी को बहुत ताकत मिलेगी। मैं हसीब उल हसन के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे डॉ. रईस हाजी मुस्तकीम, अछन प्रधान, नजाकत हुसैन समेत इनके तमाम साथियों का पार्टी में स्वागत करता हूं। मुझे विश्वास है कि आप सब आम आदमी पार्टी से जुड़कर पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे और दीपू चौधरी को अपने क्षेत्र से भारी मतों से जिताने का काम करेंगे।

इस दौरान गांधी नगर से 'आप' प्रत्याशी दीपू चौधरी ने कहा कि छोटा भाई नाराज होकर चला गया था और आज एक-डेढ़ साल बाद वापस आ गया है। छोटे भाई को रुठने का हक है तो मनाने और मानने का भी पूरा हक है। आज ये वापस आ गए हैं। मैं समझता हूं कि गांधी नगर विधानसभा का ग्राफ आज और 25 फीसद की मजबूती के साथ बढ़ा है। इसी जोश के साथ हम जीतेंगे।

वहीं पूर्व निगम पार्षद हसीब उल हसन ने कहा कि आज पुनः घर वापसी पर वास्तव में बहुत खुशी हो रही है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि रूठा वहां जाता है जहां सबसे ज्यादा प्यार होता है। और शायद मैं इतना ज्यादा प्यार करता था कि मैं रूठा भी उनसे ही ज्यादा। लेकिन मुझे खुशी हो रही है कि मैं अपने घर में वापस आ गया। मैं पार्टी को पूरा विश्वास दिलाता हूं कि मैं तन, मन, धन से पार्टी के लिए कार्य करूंगा और सिर्फ अपनी ही विधानसभा में नहीं बल्कि जितने भी जानने वाले हैं, सब जगह जाकर काम करूंगा और रात-दिन पार्टी के लिए प्रचार-प्रसार करूंगा। वो दिन दूर नहीं कि इस बार हम रिकॉर्ड भी तोड़ेंगे। पिछले बार हम 62 सीटें लाए थे उससे पहले 67 सीटें लाए थे। इस बार हम 70 में से 70 सीटें लाएंगे।

हिंडन से अयोध्या के लिए मिलेगी सीधी फ्लाइट, उड़ान को लेकर आया बड़ा अपडेट

हिंडन एयरपोर्ट से जल्द ही अयोध्या सहित देश के अन्य हिस्सों के लिए बड़ी व्यावसायिक उड़ानें शुरू हो सकती हैं। डायल जीएमआर ने दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे वाद को वापस ले लिया है जिससे यह संभव हुआ है। फरवरी से हिंडन से अयोध्या नांदेड़ किशनगढ़ आदमपुर लुधियाना और भटिंडा के लिए बड़ी व्यावसायिक उड़ानें शुरू हो सकती हैं।

साहिबाबाद। हिंडन एयरपोर्ट से अयोध्या सहित देश के अन्य क्षेत्रों के लिए अब बड़ी उड़ान भी हो सकेंगी। हिंडन एयरपोर्ट से व्यावसायिक उड़ान का विरोध कर रहे डायल जीएमआर (दिल्ली एयरपोर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) के इस मामले में हाई कोर्ट दिल्ली में चल रहे वाद को वापस लेने से यह संभव हुआ है। इसकी पुष्टि एपीडी (एयर पैसेंजर ड्यूटी) हिंडन एयरपोर्ट उमेश यादव ने की।

बड़ी व्यावसायिक उड़ान भी अब हो सकेंगी संभव

उन्होंने मंगलवार को जानकारी दी कि डायल जीएमआर ने इस मामले में हाई कोर्ट दिल्ली में चल रहा अपना वाद वापस ले लिया है। बताया कि इसके बाद हिंडन से बड़ी व्यावसायिक उड़ान भी अब संभव हो सकेंगी। अभी हिंडन एयरपोर्ट से छोटी व्यावसायिक उड़ान ही संचालित हो रहीं थीं।

व्यावसायिक उड़ान को लेकर चल रहा था विवाद

डायल जीएमआर (दिल्ली एयरपोर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) और एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया के बीच हिंडन एयरपोर्ट से व्यावसायिक उड़ान को लेकर विवाद चल रहा था। इसे लेकर डायल जीएमआर ने दिल्ली हाई कोर्ट में वाद दायर किया था।

आईजीआई (इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट) पर व्यावसायिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान के बढ़ते दबाव को देखते हुए एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया हिंडन एयरपोर्ट का प्रयोग इस दबाव को कम करना चाहता था।

हाई कोर्ट में दायर कर दिया वाद

इसके लिए हिंडन से बड़ी व्यावसायिक उड़ानों के संचालन की तैयारी की जा रही थी। इसका डायल जीएमआर ने विरोध करते हुए एयरपोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया पर हाई कोर्ट में वाद दायर कर दिया। जिससे एयरपोर्ट अथारिटी अपनी इस योजना के क्रियान्वयन में अब तक सफल नहीं हो सकी थी। लेकिन, अब जब डायल जीएमआर ने वाद वापस ले लिया है तो एक बार फिर से हिंडन से बड़ी व्यावसायिक उड़ानों के संचालन का मार्ग साफ हो गया है।

उड़ानों की तैयारी आरंभ हो गई

एपीडी हिंडन एयरपोर्ट उमेश यादव ने बताया कि जीएमआर के वाद वापस लेने से हिंडन एयरपोर्ट से बड़ी व्यावसायिक उड़ानों की तैयारी आरंभ हो गई है। एयरपोर्ट पर इसके लिए पहले से ही सभी आवश्यक व्यवस्था है। संभावना है कि फरवरी से अयोध्या सहित देश के अन्य हिस्सों के लिए बड़ी व्यावसायिक उड़ान भी संचालित होने लगेंगी। अभी यहां से नांदेड़, किशनगढ़, आदमपुर, लुधियाना और भटिंडा के लिए छोटी उड़ान संचालित हो रही हैं।

पुलिस कस्टडी के दौरान होटल की बालकनी से कूदा साइबर ठगी का आरोपी, मौत

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम में एक चौंकाने वाली घटना में साइबर धोखाधड़ी के आरोपी ने पुलिस हिरासत से भागने के प्रयास में होटल की तीसरी मंजिल की बालकनी से छलांग लगा दी। दुर्भाग्य से वह सामने वाले घर के छज्जे से टकराया और जमीन पर गिर गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मध्य प्रदेश पुलिस ने उसे और तीन अन्य आरोपियों को सोहना के एक होटल में ठहराया था।

गुरुग्राम। पुलिस कस्टडी से भागने के लिए साइबर ठगी का एक आरोपी होटल की तीसरी मंजिल की बालकनी से नीचे कूद गया। वह सामने वाले घर के छज्जे से लगा और नीचे जमीन पर जा गिरा। इसमें उसकी मौत हो गई। साइबर ठगी के मामले की जांच के दौरान मध्य प्रदेश की पुलिस ने चार आरोपियों को सोहना के धुनेला स्थित सोसायटी से पकड़ा था।

ट्रेन से ले जाने को लेकर वह सोहना के होटल में रुकी थी। इसी दौरान यह घटना हुई। सोहना शहर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर स्वजन को सूचना दी है।

चार आरोपियों के साथ रुकी थी पुलिस

सोहना पुलिस ने बताया कि मंगलवार को ग्वालियर एटीएस की टीम साइबर अपराध के मामले में पकड़े गए चार आरोपियों को लेकर सोहना के सामान्य बस स्टैंड के सामने बने सैफ्रोन ओयो होटल के तीसरी मंजिल पर ठहरी हुई थी। दोपहर करीब एक बजे एक आरोपी बिहार के मधेपुरा जिले के सुखशीन गांव निवासी हिमांशु ने टॉयलेट जाने के लिए कहा।

बालकनी से लगाई छलांग

हिमांशु बाथरूम में न जाकर साथ में बनी बालकनी की तरफ चला गया। उसने पुलिस हिरासत से भागने के लिए बालकनी के सामने खड़े खंबे में लगे तार के सहारे नीचे जाने के लिए छलांग लगा दी। लेकिन कूदने के दौरान वह तार नहीं पकड़ सका और पोल के साथ घिसटता हुआ सिर के बल जमीन पर आकर गिर गया था। इस दौरान वह सामने वाले घर के छज्जे से भी टकराया। इसे उसे गंभीर चोटें आईं।

पुलिस टीम उसे सोहना अस्पताल ले गई। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश पुलिस ने इस कार्रवाई की जानकारी गुरुग्राम पुलिस को नहीं दी थी।

कल होगा पोस्टमॉर्टम

गुरुग्राम पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर स्वजन को सूचना दी गई। बुधवार को गुरुग्राम में बोर्ड द्वारा पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

मध्य प्रदेश पुलिस की ओर से दी गई शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बयान में कहा कि आरोपी ने हिरासत से भागने की कोशिश की थी। इस दौरान उसकी छत से गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने मामले में न्यायिक जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद में 41 चौराहों पर लगेंगे कैमरे, पल-पल की होगी निगरानी; ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों का तुरंत होगा चालान

गाजियाबाद के 41 चौराहों पर एक फरवरी से इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) के तहत कैमरे लगने शुरू हो जाएंगे। आठ माह में यह कार्य पूरा हो जाएगा अक्टूबर माह से ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों का कैमरे की मदद से चालान भी शुरू कर दिया जाएगा। कैमरों से पुलिस सड़क से गुजर रहे अपराधी की पहचान कर सकेगी।

गाजियाबाद। शहर के 41 चौराहों पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) के तहत एक फरवरी से कैमरे लगने शुरू हो जाएंगे। आठ माह में यह कार्य पूरा हो जाएगा।

अक्टूबर माह से ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों का कैमरे की मदद से चालान भी शुरू कर दिया जाएगा। अपराधियों को पकड़ने में भी मदद मिलेगी। कैमरे लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर नगर निगम ने कार्य शुरू करने के लिए कार्यादेश भी जारी कर दिया है।

लगभग 53 करोड़ से होगा काम

नगर निगम द्वारा सेफ सिटी योजना अंतर्गत आइटीएमएस निविदा प्रक्रिया पूरी की गई है। शहर के 41 चौराहों पर ऑटोमेटिक चालान काटने वाले उपकरण तथा कैमरे लगाए जाएंगे। इफकान इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को इसका टेंडर हुआ है। वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है। लगभग 53 करोड़ से आइटीएमएस का कार्य होगा।

इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम बनकर तैयार

कैमरों को इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा। लगभग आठ माह में कार्य पूरा होगा। हिंडन एलिवेटेड रोड और हापुड़ रोड पर आइटीएमएस का कार्य शुरू किया जाएगा। इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम बनाया जा चुका है। आइटीएमएस का कार्य नगर निगम और यातायात पुलिस संयुक्त रूप से कर रही है। कंट्रोल रूम की निगरानी यातायात पुलिस करेगी।

अपराधियों को पकड़ने में मिलेगी मदद

कैमरों से पुलिस सड़क से गुजर रहे अपराधी की पहचान कर सकेगी। सड़क पर चल रहे चोरी के वाहनों की पहचान हो सकेगी। वाहन चोरी कर रहे बदमाशों को पकड़ना पुलिस के लिए आसान होगा। कैमरों में एआई का प्रयोग भी होगी।

यदि कैमरे में चोरी किए गए वाहन की नंबर प्लेट आती है तो तुरंत ही इसकी सूचना कंट्रोल रूम में पहुंच जाएगी। कुछ लोग दुर्घटना के बाद वाहन लेकर भाग जाते हैं। कैमरों की मदद से पुलिस उसे पकड़ सकेगी।

वहीं सड़क पर रील बनाने और स्टंट करने वालों की पहचान कर पुलिस उन पर कार्रवाई करेगी। इसके लिए 82 स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगेगा। इसका कंट्रोल रूम नगर निगम मुख्यालय में होगा।

नंबर गेम

- 04 प्रकार के लगेंगे कैमरे
- 110 पैन टिल्ट जूम कैमरे से जूम करके चाहनों को बहुत सूक्ष्म तरीके से देखा जाएगा।
- 250 व्हीकल डिटेक्शन कैमरे से वाहनों का रिकार्ड सर्वर को अपलोड किया जाएगा।
- 50 कैमरे फेस रिकग्निशन कैमरे बदमाशों के चेहरों की पहचान कर कंट्रोल रूम को सूचना देंगे।
- 15 चौराहों पर रेड लाइट वायलेशन डिटेक्शन और नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगेंगे।
- 18 एलईडी स्क्रीन से मदद से पूरे शहर के ट्रैफिक पर नजर रखी जाएगी।

गाजियाबाद में वाहन चोरी रैकेट का भंडाफोड़, 22 बाइक के साथ तीन गिरफ्तार; आरोपी ऐसे देते थे लालच

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने वाहन चोरी करने वाले दो आरोपितों और एक बाइक मैकेनिक को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 22 चोरी की बाइकें बरामद हुई हैं। आरोपितों ने दिल्ली नोएडा सहित एनसीआर के अन्य जिलों से दो साल में सौ से अधिक बाइकें चोरी कर अलीगढ़ में बेची हैं। पुलिस को शक है कि सस्ते दाम में जानबूझकर चोरी की बाइकें खरीदी गई हैं।

गाजियाबाद। गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने वाहन चोरी करने वाले दो आरोपितों को एक बाइक मैकेनिक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से चोरी की 22 बाइकें बरामद की है, जिनको यह गिरोह बेचने की तैयारी में था।

पकड़े गए आरोपितों ने दिल्ली, नोएडा सहित एनसीआर के अन्य जिलों से दो साल में सौ से अधिक बाइकें चोरी कर अलीगढ़ में बेची हैं। एक लाख रुपये से अधिक कीमत की बाइकों को महज आठ से दस हजार रुपये में खरीदने वालों ने बाइकों के कागज भी नहीं मांगे।

पुलिस को शक है कि सस्ते दाम में जानबूझकर चोरी की बाइकें खरीदी गई हैं। अब इन बाइकों को खरीदने वालों की जानकारी में पुलिस की टीम जुटी है।

सोनू को कविनगर क्षेत्र से पकड़ा गया-पुलिस

एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने बताया कि बुधवार को चेकिंग के दौरान अलीगढ़ के नौगावां के विजय यादव, कासगंज के राणा मऊ गांव के पिंटू सोलंकी और अलीगढ़ के बिजोली नगला के सोनू को कविनगर क्षेत्र से पकड़ा गया है।

पूछताछ में विजय ने बताया कि 10वीं तक पढ़ने के बाद वह नोएडा में सेक्टर - 63 में किराए पर कमरा लेकर एक्सपोर्ट कंपनी में प्रेसिंग का करने लगा था। चार साल पहले उसकी मुलाकात लोनी के कृष्णा और राजा से हुई, जो वाहन चोरी का काम करते थे।

ज्यादा रुपये कमाने के चक्कर में विजय भी उनके साथ बाइक चोरी करने लगा। कुछ दिन बाद ही कृष्णा और राजा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, विजय बचकर गांव भाग निकला था।

हापुड़ पुलिस ने साल 2022 में किया था गिरफ्तार

इसके बाद उसे हापुड़ पुलिस (Hapur Police) ने वर्ष 2022 में गिरफ्तार किया। जेल से छूटने के बाद उसने अपने चार साथी पिंटू सोलंकी, राहुल, अभिषेक व सोनू के साथ एक अलग गिरोह बना लिया और वाहन चोरी की वारदात करने लगा। पिंटू पहले स्वीगी कंपनी में डिलीवरी का काम करता था।

सोनू अलीगढ़ में बाइक मैकेनिक का काम करता है। सोनू के माध्यम से ही अलीगढ़ में ऐसे ग्राहकों की तलाश की जाती थी, जिनको कम दाम पर बाइक चाहिए होती थी।

पिछले दो साल में सौ से अधिक बाइकों को यह गिरोह बेच चुका है। एडीसीपी ने बताया कि आरोपितों से बरामद की गई 22 बाइकों में से नौ दिल्ली और नोएडा से चोरी की गई हैं।

मिशन 2025 को भी अबकी बार भ्रष्टाचार पर वार का निर्णायक कालखंड बनाने की तैयारी है

भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ़ एक निर्णायक कालखंड में कदम रखना ज़रूरी हो गया है भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी के प्रति नफ़रत,सामाजिक बहिष्कार रंगे हाथ पकड़ाने की मानसिकता के लिए हर नागरिक को जागरूक होना जरूरी - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज भारत के नाम प्रतिष्ठा होल्ड और वर्चस्वता का आधार बढ़ता ही जा रहा है, जिसके दम पर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक मुख्य पक्ष माना जाता है जो हम बड़े-बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष के भारत के साथ बॉडी लैंग्वेज से समझ मेंआता है और हम प्रोत्साहित होकर विज़न 2047, विजन नए भारत, विज़न 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं परंतु जिस तरह हमने हाल के कुछ दिनों में बंगाल के मंत्री, जबलपुर के आरटीओ, एमपी के चपरासी के यहां करोड़ों रुपए, एमपी में पोषण घोटाला सहित अनेकों भ्रष्टाचार के तथाकथित मामले मीडिया के माध्यम से हमने पढ़े और देखें और ऐसे अनेक मामलों की रिसर्च करेंगे तो हमें पता चलेगा कि इस तरह के भ्रष्टाचार जारी रहे तो हम उपरोक्त विज़नस को पूर्ण नहीं कर पाएंगे ? इसलिए अब जरूरी हो गया है कि भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कालखंड में कदम रखना अनिवार्य है। अब सीबीआई ईडी के साथ अन्य एजेंसियों को आय से अधिक संपत्ति रखने वालों का तेजी से पता लगाना होगा। सेवा क्षेत्र के हर चपरासी से लेकर बाबू और बड़े अधिकारियों तक की आर्थिक स्थिति की जांच तेजी से करनी होगी क्योंकि सरकारी क्षेत्र के लोगों के पास ही भ्रष्टाचार का कुबेर खजाना होगा तो अन्य निजी लोगों की बात ही क्या ? हालांकि लाल किले से माननीय पीएम ने भी भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरी थी और अब मिशन 2024 को भी अबकी बार भ्रष्टाचार पर वार का निर्णायक कालखंड बनाने की तैयारी है, इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार की करें तो, हमारे देश के लिए यह बड़ी ही दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना है कि युधिष्टिर, हरिश्चंद्र जैसे धर्मनिष्ठ शासकों व साधु-संतों की इस पावन धरती पर आज भ्रष्टाचार का विष फैला हुआ है। छोटे से छोटे कर्मचारियों से लेकर देश की सत्ता पर बैठे हमारे शीर्षस्थ भी आज भ्रष्टाचार में लिप्त होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भ्रष्टाचार हमारी राष्ट्रीय समस्या है। ऐसे व्यक्ति जो अपने कर्तव्यों की अवहेलना कर निजी स्वार्थ में लिप्त रहते हैं भ्रष्टाचारी' कहलाते हैं। आज हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरे तक समाहित हैं।

साथियों मनुष्य कितना भी कुछ हासिल कर ले परंतु उसकी और अधिक प्राप्त कर लेने की लालसा कभी समाप्त नहीं होती है।किसी वस्तु की आकांक्षा रखने पर यदि उसे वह वस्तु सहज रूप से प्राप्त नहीं होती है तब वह येन-केन प्रकारेण उसे हासिल करने के लिए उद्यत हो जाता है। इस प्रकार की परिस्थितियाँ भ्रष्टाचार को जन्म देती हैं। किसी उच्च पद पर आसीन अधिकारी प्रायः गुणवत्ता की अनदेखी कर अपने समाज, परिवार अथवा संप्रदाय के लोगों को प्राथमिकता देता है तो उसका यह कृत्य भ्रष्टाचार का ही रूप है। भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति सदैव न्याय की अनदेखी करता है।

साथियों बात अगर आम भ्रष्टाचार की चुनौतियां और प्रारूप की करें तो, देश के सामने दो बड़ी चुनौतियां-पहली चुनौती - भ्रष्टाचार दूसरी चुनौती - भाई-भतीजावाद,परिवारवाद।भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है, उससे देश को लड़ना ही होगा। देश की कोशिश है कि जिन्होंने देश को लूटा है, उनको लौटाना भी पड़े देश इसकी कोशिश कर रहे हैं। देश में चारों ओर व्याप्त सांप्रदायिकता, भाषावाद, भाई-भतीजावाद, जातीयता आदि से पूरित वातावरण भ्रष्टाचार के प्रेरणा स्त्रोत हैं। भ्रष्टाचार के कारण ही कार्यालयों, दफ्तरों व अन्य कार्यक्षेत्रों में चोरबाजारी, रिश्वतखोरी आदि अनैतिक कृत्य पनपते हैं। दुकानों में मिलावटी सामान बेचना, धर्म का सहारा लेकर लोगों को पथभ्रमित करना तथा अपना स्वार्थ सिद्ध करना, दोषी व अपराधी तत्वों को रिश्वत लेकर मुक्त कर देना अथवा रिश्वत के आधार पर विभागों में भरती होना आदि सभी भ्रष्टाचार के प्रारुप हैं।

साथियों बात अगर हम कुछ दिनों पूर्व महालेखाकार रिपोर्ट में खुलासा हुए एक घोटाले और आरटीओ के यहां रेड की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार 2018 से 2021 के बीच करीब 1.35 करोड़ महिलाओं को 2393 करोड़ का 4.05 मीट्रिक टेक होम राशन वितरित किया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि टेक होम राशन बड़ी मात्रा में सिर्फ कागजों में बांट दिया गया। साथ ही करीब 58 करोड़ का नकली पोषण आहार का उत्पादन किया गया।रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि राशन बनाने वाली 6 फर्मो से परिवहन के नाम बाइक, कार, ऑटो और टैंकर के नंबरों को ट्रक बताकर करीब 6.94 करोड़ का 1125.64 मीट्रिक टन राशन के परिवहन होना बताया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में उत्पादन और वितरण में घोटाला होना बताया जा रहा है। जबलपुर में ईओडब्लयू यानी इकॉनमिक ऑफेंस विंग ने एक आरटीओ अधिकारी के घर छापा मार आय से अधिक संपत्ति का खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि आरटीओ अधिकारी की संपत्ति उनकी आय से 650 गुना ज्यादा है। छापामारी में उनके 6 आलीशान मकानों का पता चला है। उनके पास एक डेढ़ एकड़ में फैला फार्म हाउस भी है।ईओडब्लयू की रेड के दौरान उनके घर से 16 लाख रुपये कैश मिलने की भी बात सामने आई थी।

साथियों बात अगर हम भारत के महाशक्ति बनने के आंकलन की करें तो, भारत के महाशक्ति बनने की सम्भावना का आंकलन अमरीका एवं चीन की तुलना से किया जा सकता है। महाशक्ति बनने की पहली कसौटी तकनीकी नेतृत्व है। दूसरी कसौटी श्रम के मूल्य की है। महाशक्ति बनने के लिये श्रम का मूल्य कम रहना चाहिये। तब ही देश उपभोक्ता वस्तुओंका सस्ता उत्पादन कर पाता है और दूसरे देशों में उसका उत्पाद प्रवेश पाता है। चीन और भारत इस कसौटी पर अव्वल बैठते हैं जबकि अमरीका पिछड़ रहा है। तीसरी कसौटी शासन के खुलेपन की है। वह देश आगे बढ़ता है जिसके नागरिक खुले वातावरण में उद्यम से जुड़े नये उपाय क्रियान्वित करने के लिए आजाद होते हैं। बेड़ियों में जकड़े हुये अथवा पुलिस की तीखी नजर के साये में शोध, व्यापार अथवा अध्ययन कम ही पनपते हैं। भारत और अमरीका में यह खुलापन उपलब्ध है। चौथी कसौटी भ्रष्टाचार की है। सरकार भ्रष्ट हो तो जनता की ऊर्जा भटक जाती है। देश की पूंजी का रिसाव हो जाता है।भ्रष्टअधिकारी और नेता धन को स्विट्जरलैण्ड भेज देते हैं। ट्रान्सपेरेन्सी इंटरनेशनल'द्वारा बनाई गयी रैंकिंग में अमरीका को १९वें स्थान पर रखा गया है जबकि चीन को ७९वें तथा भारत को ८४वां स्थान दिया गया है। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के समाधान की करें तो, भ्रष्टाचार के समाधान के लिए आवश्यक है कि भ्रष्टाचार संबंधी नियम और भी सख्त हों तथा भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले । इसके लिए सख्त और चुस्त प्रशासन अनिवार्य है । इस समस्या के निदान के लिए केवल सरकार ही उत्तरदायी नहीं है, इसके लिए सभी धार्मिक, सामाजिक व स्वयंसेवी संस्थाओं को एकजुट होना होगा । सभी को संयुक्त रूप से इसे प्रोत्साहन देने वाले तत्वों का विरोध करना होगा।

साथियों बात अगर हम 15 अगस्त 2022 को माननीय पीएम के लाल किले से भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार की करें तो उन्होंने कहा था,कई लोग तो इतनी बेशर्मी तक चले जाते हैं कि कोर्ट में सजा हो चुकी हो, भ्रष्टाचारी सिद्ध हो चुका हो, जेल जाना तय हो चुका हो, जेल गुजार रहे हो, उसके बावजूद भी उनका महिमामंडन करने में लगे रहते हैं, उनकी शान-ओ-शौकत में लगे रहते हैं, उनकी प्रतिष्ठा बनाने में लगे रहते हैं। अगर जब तक समाज में गंदगी के प्रति नफरत नहीं होती है, स्वच्छता की चेतना जगती नहीं है। जब तक भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी के प्रति नफ़रत का भाव पैदा नहीं होता है, सामाजिक रूप से उसको नीचा देखने के लिए मजबूर नहीं करते, तब तक यह मानसिकता खत्म होने वाली नहीं है,और इसलिए भ्रष्टाचार के प्रति भी और भ्रष्टाचारियों के प्रति भी हमें बहुत जागरूक होने की जरूरत है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मिशन 2025 को भी अबकी बार भ्रष्टाचार पर वार का निर्णायक कालखंड बनाने की तैयारी है।भारत को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णय कालखंड में कदम रखना जरूरी हो गया है।भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी के प्रति नफरत सामाजिक बहिष्कार रंगे हाथ पकड़ने की मानसिकता के लिए हर नागरिक को जागरूक होना जरूरी है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

होंडा ने वैश्विक स्तर पर पेश किए 0 सीरीज के दो मॉडल्स, लेवल-3 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम के साथ मिलेंगे बेहतरीन फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

जापानी वाहन निर्माता Honda की ओर से सेडान सहित कई सेगमेंट में वाहनों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से अमेरिका में CES 2025 के दौरान दो प्रोटोटाइप 0 Series मॉडल स को पेश किया है। इनको किन किन सेगमेंट में पेश किया गया है। किस तरह की खासियत के साथ इनको लाया जाएगा। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जापान की वाहन निर्माता Honda Cars की ओर से दुनियाभर के कई देशों में अपनी कारों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से अमेरिका में चल रहे CES 2025 के दौरान भविष्य की झलक दिखाते हुए दो कारों के प्रोटोटाइप को पेश किया है। इनमें किस तरह की खासियत को दिया गया है। कंपनी की ओर से इन कारों के प्रोडक्शन वर्जन को कब तक लाया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda ने पेश की 0 Series

होंडा की ओर से 0 Series को अमेरिका में CES 2025 के दौरान पेश किया गया (Honda 0 Series CES 2025) है। वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान कंपनी ने इस सीरीज की दो कारों को पहली बार दिखाया है। इसके साथ ही इनमें उपयोग किए जाने वाला ऑपरेटिंग सिस्टम भी पेश कर दिया गया है।

क्या है खासियत

Honda 0 Series के तहत पेश की गई दोनों कारों का डिजाइन भी काफी खास रखा गया है। इनमें से एक कार को सैलून और दूसरी को एसयूवी की तरह लाया गया है। यह ईवी आर्किटेक्चर पर आधारित हैं जिनमें कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जा सकता है। इन कारों में कंपनी सेफ्टी के लिए Level-3 ADAS को भी ऑफर (Honda Level-3 ADAS features) करेगी। इनमें एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर को भी काफी फ्यूचरिस्टिक बनाया गया है। रूफ और दरवाजों पर एंबिएंट लाइट्स, स्पोर्टी स्टाइल वाली सीट्स, नए डिजाइन वाला स्टेयरिंग व्हील, बड़ी स्क्रीन वाला इंफोटेनमेंट सिस्टम और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्रेम लैस डोर, ASIMO OS, थ्री डी जायरो सेंसर जैसी खासियतों के साथ पेश किया गया है। जिससे इनको सेल्फ ड्राइविंग कार की तरह उपयोग किया जा सकेगा। इसके ओएस को ओटीए अपडेट के साथ भविष्य की जरुरतों के साथ अपडेट भी किया जा सकेगा।

क्या आएगा प्रोडक्शन वर्जन

कंपनी की ओर से जानकारी दी गई है कि CES 2024 में स्पेस हब कॉन्सेप्ट मॉडल के आधार पर CES 2025 में इन कारों के प्रोटोटाइप मॉडल्स को लाया गया है। होंडा की ओर से सैलून और एसयूवी मॉडल में से पहले सैलून मॉडल के प्रोडक्शन वर्जन को लॉन्च किया जाएगा और इसे साल 2026 में सबसे पहले नॉर्थ अमेरिका के बाजार में लाया जाएगा। जिसके बाद इसको जापान और यूरोप के कई देशों में बिक्री के लिए

उपलब्ध करवाया जाएगा। लेकिन अभी इसे भारतीय बाजार में लाया जाएगा या नहीं इस पर किसी भी तरह की कोई जानकारी होंडा की ओर से नहीं दी गई है।

हुंडई वेन्यू, वर्ना और ग्रैंड i10 एनआईओएस के नए वेरिएंट पेश, प्रीमियम डिजाइन समेत नए फीचर्स से है लैस

परिवहन विशेष न्यूज

Hyundai ने अपनी पॉपुलर Venue Verna और Grand i10 NIOS के नए वेरिएंट को लेकर आई है। इन नए वेरिएंट में नए फीचर्स भी दिए गए हैं। इसके साथ ही इन्हें पहले से ज्यादा प्रीमियम हो गई। इन सभी में सनरूफ दिया गया है। इसके साथ की इनके कुछ वेरिएंट को अपडेट भी किया गया है। आइए इनके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (HMIL) ने अपने तीन पॉपुलर मॉडल Hyundai Venue, Verna और Grand i10 NIOS के तीन नए वेरिएंट को लेकर आई है। इन वेरिएंट में नए फीचर्स भी दिए है। इनके नए वेरिएंट्स मॉडर्न तकनीक, प्रीमियम डिज़ाइन और नए फीचर्स के साथ लाए गए हैं। कंपनी ने इनकी बिक्री को बढ़ाने के लिए नए वेरिएंट्स लेकर आई है। आइए जानते हैं कि Hyundai Venue, Verna और Grand i10 NIOS के नए वेरिएंट्स में क्या खास दिया गया है।

Hyundai Venue

हुंडई वेन्यू का नया वेरिएंट Kappa 1.2 l MPi पेट्रोल SX एक्जीक्यूटिव MT है। इसमें नए फीचर्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट इलेक्ट्रिक सनरूफ, 20.32 cm टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐपल कारप्ले, पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप के साथ स्मार्ट की, पूरी तरह से ऑटोमेटिक टेंपरेचर कंट्रोल (FATC) समेत और भी कई फीचर्स दिए गए हैं।

हुंडई वेन्यू के इन वेरिएंट को मिला अपडेट

- हुंडई वेन्यू कप्पा 1.2 l MPi पेट्रोल S MT और S+ MT में अब रियर कैमरा और वायरलेस चार्जर को शामिल किया गया है
- हुंडई वेन्यू कप्पा 1.2 l MPi पेट्रोल S(O) MT वेरिएंट में अब एक्स्ट्रा फीचर के रूप में पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप के साथ स्मार्ट की दी गई है। स्मार्ट की के अलावा, वेरिएंट का नाइट एडिशन वायरलेस चार्जर को भी शामिल किया है।
- हुंडई वेन्यू कप्पा 1.2 लीटर MPi पेट्रोल S(O)+ एडवेंचर MT वैरिएंट में अब एक्स्ट्रा फीचर और पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप और वायरलेस चार्जर के साथ स्मार्ट की दिया गया है।

वैरिएंट की कीमत

- वेन्यू कप्पा 1.2 लीटर MPi पेट्रोल S MT- 9 28 000 रुपये (एक्स-शोरूम)
- वेन्यू कप्पा 1.2 लीटर MPi पेट्रोल S+ MT- 9 53 000 रुपये (एक्स-शोरूम)
- वेन्यू कप्पा 1.2 लीटर MPi पेट्रोल S(O) MT- 9 99 900 रुपये (एक्स-शोरूम)
- वेन्यू कप्पा 1.2 लीटर MPi पेट्रोल S(O) नाइट MT- 10 34 500 रुपये (एक्स-शोरूम)
- वेन्यू कप्पा 1.2 लीटर MPi पेट्रोल S(O)+ एडवेंचर MT- 10 36 700 रुपये (एक्स-शोरूम)
- वेन्यू कप्पा 1.2 लीटर MPi पेट्रोल SX एग्जीक्यूटिव MT- 10 79 300 रुपये (एक्स-शोरूम)

Hyundai VERNA

हुंडई वर्ना के दो नए वेरिएंट को लेकर आया गया है, जो 1.5 लीटर टर्बो GDi पेट्रोल S(O) DCT और 1.5 l MPi पेट्रोल S IVT है। नए वेरिएंट में नए फीचर्स भी दिए गए हैं।

- इसके 1.5 लीटर टर्बो GDi पेट्रोल S(O) DCT वेरिएंट में स्मार्ट इलेक्ट्रिक सनरूफ, 20.32 सेमी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐपल कारप्ले, 16 इंच ब्लैक अलॉय, पूरी तरह से ऑटोमेटिक टेंपरेचर कंट्रोल (एफएटीसी), स्मार्टफोन वायरलेस चार्जर, लाल फ्रंट ब्रेक कैलिपर्स, डायनेमिक गाइडलाइन्स वाला रियर कैमरा समेत और कई फीचर्स दिए गए हैं।
- 1.5 l MPi पेट्रोल S IVT वेरिएंट में स्मार्ट इलेक्ट्रिक सनरूफ, ड्राइव मोड (ईसीओ, नॉर्मल, स्पोर्ट) और पैडल शिफ्टर्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं।
- इसके मौजूदा हुंडई वर्ना 1.5 लीटर MPi पेट्रोल S MT वेरिएंट को भी अपडेट किया गया है, इसमें स्मार्ट इलेक्ट्रिक सनरूफ फीचर को शामिल किया गया है।

वेरिएंट की कीमत

- वर्ना 1.5 लीटर MPi पेट्रोल S MT - 12 37 400 रुपये (एक्स-शोरूम)
- वर्ना 1.5 लीटर MPi पेट्रोल S iVT - 13 62 400 रुपये (एक्स-शोरूम)
- वर्ना 1.5 लीटर टर्बो GDi पेट्रोल S(O) DCT - 15 26 900 रुपये (एक्स-शोरूम)

Hyundai Grand i10 NIOS

- हुंडई अपने Grand i10 NIOS के लाइन-अप में एक नया वेरिएंट लेकर आ रही है। इसका नया वेरिएंट स्पोर्टी अपील और हाईटेक फीचर्स से लैस है। इसका नया वेरिएंट Hyundai Grand i10 NIOS 1.2 लीटर Kappa पेट्रोल स्पोर्ट्स (O) है, जिसे MT और AMT दोनों ऑप्शन में लेकर आया है।

- Grand i10 NIOS के नए वेरिएंट में 8 इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले ऑडियो, एंड्रॉइड ऑटो और ऐपल कारप्ले, पूरी तरह से ऑटोमेटिक टेंपरेचर कंट्रोल (FATC), पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप के साथ स्मार्ट की, 15 इंच डायमंड कट अलॉय व्हील्स, क्रोम आउटसाइड डोर हैंडल समेत कई फीचर्स दिए गए हैं।

वेरिएंट की कीमत

- Grand i10 Nios Kappa 1.2 l पेट्रोल कॉर्पोरेट MT - 7 09 100 रुपये (एक्स-शोरूम)
- Grand i10 Nios Kappa 1.2 l पेट्रोल स्पोर्ट्ज़ (O) MT - 7 72 300 रुपये (एक्स-शोरूम)
- Grand i10 Nios Kappa 1.2 l पेट्रोल कॉर्पोरेट AMT - 7 73 800 रुपये (एक्स-शोरूम)
- Grand i10 Nios Kappa 1.2 l पेट्रोल स्पोर्ट्ज़ (O) AMT - 8 29 100 रुपये (एक्स-शोरूम)

जी-वैगन का इलेक्ट्रिक वर्जन ईक्यूजी 580 कल होगी लॉन्च; 473 किमी की रेंज, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्ट फीचर्स समेत मिलेंगे कई सुविधाएं

2025 Mercedes-Benz EQG 580 कल यानी 9 जनवरी 2025 को लॉन्च होने जा रही है। यह G-Wagon का इलेक्ट्रिक वर्जन है। जिसका काफी हद तक डिजाइन G-Wagon के ICE वर्जन जैसा ही रखा गया है। इसमें 116 kWh का बैटरी पैक मिलेगा जिसके फुल चार्ज होने पर 473 किमी तक का रेंज मिलने का दावा कंपनी कर रही है। इसकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपये के आसपास हो सकती है।

नई दिल्ली। मर्सिडीज-बेंज अपनी पॉपुलर G-Wagon का इलेक्ट्रिक वर्जन 9 जनवरी 2025 को लॉन्च करने जा रही है। इलेक्ट्रिक वर्जन का नाम Mercedes-Benz EQG 580 रखा गया है। इसका डिजाइन काफी हद तक इसके ICE वर्जन जैसा रखा गया है, लेकिन इसमें काफी हद तक नए डिजाइन एलिमेंट को भी शामिल किया गया है। इसमें आपको बड़ा बैटरी पैक, कई इलेक्ट्रिक मोटर समेत कई सारे फीचर्स देखने के लिए मिलेंगे। आइए Mercedes-Benz EQG 580 में मिलने वाले फीचर्स के बारे में जानते हैं।

डिजाइन

मर्सिडीज-बेंज EQG 580 के डिजाइन की बात की करें तो इसके सिग्नेचर बॉक्सी बॉडी स्टाइल को बरकरार रखा गया है। इसमें आपको पहले की तरह ही गोल हेडलाइट्स और चौकोर ग्रिल मिलेगी, जिसके चारों तरफ LED स्ट्रिप्स दी गई है।

G-Wagon के इलेक्ट्रिक वर्जन में पांच ट्विन-स्पोक 18-इंच एलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो ग्लॉस ब्लैक कलर में फिनिश किए गए हैं। इसका पिछला हिस्सा ICE वर्जन जैसा ही दिखाई देता है। इसमें फ्लैट टेलगेट दिया गया है, जो SUV के बुच लुक को और भी बेहतर बनाता है।

Mercedes-Benz EQG 580 इंटीरियर और फीचर

मर्सिडीज-बेंज EQG 580 में प्रीमियम केबिन दिया गया है, जिसे बेहतरीन फीचर्स से लैस किया गया है। इसमें डुअल-डिस्प्ले के साथ-साथ बहुत सारे फिजिकल बटन दिए गए हैं। केबिन को ओपन-पोर वॉलनट वुड फिनिश दिया गया है।

G-Wagon के इलेक्ट्रिक वर्जन में डूअल 12.3-इंच डिस्प्ले (ड्राइवर के डिस्प्ले और इंफोटेनमेंट सिस्टम के लिए), प्रीमियम बर्मेस्टर साउंड सिस्टम, एक 360-डिग्री कैमरा, ADAS सुविधाएँ, कई एयरबैग, मल्टी-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और वायरलेस फोन चार्जर जैसे बेहतरीन फीचर्स देखने के लिए मिलेंगे।

Mercedes-Benz EQG 580 बैटरी पैक और रेंज

मर्सिडीज-बेंज EQG 580 में 116 kWh का बैटरी पैक दिया गया है, जिसे क्वाड-इलेक्ट्रिक मोटर सेटअप से जोड़ा गया है। इसके सभी मोटर मिलकर 587 PS की पावर और 1,164 Nm का टॉर्क जनरेट करते हैं। इसके पहिए 360-डिग्री स्पिन कर सकते हैं।

कंपनी की तरफ से दावा किया जा रहा है कि इसमें लगी हुई बैटरी फुल चार्ज होने के बाद 473 किमी तक का रेंज देगी। वहीं, इसकी टॉप स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है। इसमें लगे मोटर की वजह से यह सिर्फ 4.7 सेकंड में शून्य से 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ लेती है।

Mercedes-Benz EQG 580 एक्सपेक्टेड कीमत

मर्सिडीज-बेंज EQG 580 की एक्स-शोरूम कीमत करीब 3 करोड़ रुपये के आसपास हो सकती है। वैसे तो भारतीय बाजार में इसका किसी से सीधा मुकाबला नहीं है, लेकिन यह ग्लोबल लेवल पर Jeep Wrangler 4xe और Defender EV जैसे इलेक्ट्रिक ऑफ-रोडर्स के साथ मुकाबला करते हुए दिख सकती है।

बजाज जल्द लॉन्च करेगी पल्सर RS200,एलसीडी स्क्रीन समेत मिलेगा स्मार्टफोन कनेक्टिविटी फीचर

परिवहन विशेष न्यूज

Bajaj Pulsar RS200 का अपडेटेड वर्जन जल्द ही भारत में लॉन्च होने वाला है। हाल ही में कंपनी की तरफ से इसका टीजर भी जारी किया गया है। जिसमें दी गई तारीख की डिटेल्स को देखें तो यह कल ही लॉन्च हो सकती है। बाइक के डिजाइन में कुछ बदलाव दिखने के साथ ही कई नए फीचर्स भी देखने के लिए मिल सकता है। इतना ही नहीं आपको नए कलर और ग्राफिक्स भी देखने के लिए मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कि Bajaj Pulsar RS200 किन नए फीचर्स से साथ लॉन्च हो सकती है।

डिजाइन

Bajaj Pulsar RS200 में आपको सबसे बड़ा अपडेट इसके डिजाइन में देखने के लिए मिलेगा। इसका टेल सेक्शन बहुत ज्यादा कॉम्पैक्ट होने वाला है, जिसमें ट्विन टेल लाइट्स देखने के लिए मिलेंगी। इसके साथ ही इसमें टर्न-इंडिकेटर होंगे, जो रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 में पाए जाने वाले इंडिकेटर जैसे दिखाई देंगे।

फीचर्स

नई Bajaj Pulsar RS200 में नया इंस्ट्रूमेंट कंसोल देखने के लिए मिल सकता है, जो नेगेटिव-लाइट एलसीडी वाली होगी। यह बजाज पल्सर NS200 की जैसी हो सकती है। इसके इंस्ट्रूमेंट कंसोल में कंसोल स्पीड, टैकोमीटर, ओडोमीटर और ट्रिप मीटर रीडआउट जैसी जानकारी देखने के लिए मिल सकती है। इसके साथ ही कंसोल में तात्कालिक माइलेज की जानकारी भी मिलेगी।

नए इंस्ट्रूमेंट कंसोल में रीडआउट के साथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसे फीचर्स भी मिलेगा। इन सभी फीचर्स का बाइक में आने के बाद यह अपने सेगमेंट में दूसरी बाइक से ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन जाएगी।

Bajaj Pulsar RS200 इंजन

नई Bajaj Pulsar RS200 में 199.5cc, लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो 24.5 PS की पावर और 18.7 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा। इसके इंजन को छह-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा जा सकता है।

कब होगी लॉन्च

2025 बजाज पल्सर RS200 आने वाले कुछ दिनों में लॉन्च हो सकती है या फिर यह इसी सप्ताह भी लॉन्च हो सकती है। कंपनी ने एक टीजर जारी किया गया है, जिसमें संकेत दिया गया है कि बाइक कब लॉन्च होगी। टीजर में 0X-01-2025 की तारीख दिखाई गई है, जिसे देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि बजाज इसे 10 तारीख से पहले लॉन्च कर सकती है। उम्मीद की जा रही है कि Bajaj Pulsar RS200 की एक्स-शोरूम कीमत 1,74,419 रुपये तक हो सकती है।

फीचर्स, रेंज, पावर और कीमत के मामले में किस इलेक्ट्रिक एसयूवी को खरीदना होगा बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

Mahindra BE 6 Vs Hyundai Creta EV महिंद्रा की ओर से Electric SUV के तौर पर BE 6 को लाया गया है और इसी सेगमेंट में Hyundai की ओर से Creta EV को भी जल्द लॉन्च किया जाएगा। फीचर्स रेंज पावर और कीमत के मामले में दोनों में से कौन सी एसयूवी को खरीदना बेहतर विकल्प हो सकता है।

नई दिल्ली। भारत में वाहन निर्माताओं की ओर से Electric SUVs पर काफी ज्यादा फोकस किया जा रहा है। जिस कारण 2025 में कई नई Electric SUVs को पेश और लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। Mahindra की ओर से BE 6 को पेश किया जा चुका है और जल्द ही Hyundai Creta EV को भी लॉन्च कर दिया जाएगा। दोनों में से किस एसयूवी को रेंज, फीचर्स, पावर और कीमत के मामले में खरीदा (Mahindra BE 6 Vs Hyundai Creta EV) जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mahindra BE 6 Vs Hyundai Creta EV Battery and Range

महिंद्रा की ओर से BE 6 को नए डिजाइन के साथ दो बैटरी विकल्प के साथ लाया गया है। इसमें Pack One वेरिएंट में 59kWh और Pack Three में 79 kWh की बैटरी क्षमता को दिया गया है। जिससे इसे सिंगल चार्ज में 683 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इस एसयूवी को 0-100 किलोमीटर की स्पीड पकड़ने में सिर्फ 6.7 सेकेंड का समय लगता है। एसयूवी को 175 kW के फास्ट चार्जर से 20 मिनट में 20 से 80 फीसदी तक चार्ज किया जा सकता है।

वहीं Hyundai Creta EV को भी दो बैटरी पैक के विकल्प के साथ ऑफर किया गया है। इसमें 42 KWh की क्षमता की बैटरी से इसे 390 किलोमीटर की रेंज मिलेगी और 51.4 kWh की क्षमता वाली बैटरी से इसे सिंगल चार्ज में 473 किलोमीटर की रेंज (Creta EV Range) मिलेगी। इसमें लगी मोटर से इसे 7.9 सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड मिलेगी। इसकी बैटरी को डीसी चार्जर से 58 मिनट में 10 से 80 फीसदी तक चार्ज किया जा सकेगा। वहीं 11kW के वॉल बॉक्स चार्जर से 10 से 100 फीसदी चार्ज करने में चार घंटे का समय लगेगा।

Mahindra BE 6 Vs Hyundai Creta EV Features

महिंद्रा की ओर से BE 6 में 19 इंच अलॉय व्हील्स, रेस रेडी डिजिटल कॉकपिट, विजन एक्स हेड अप डिस्प्ले, इनफिनिटी रूफ और एंबिएंट लाइट, 16 स्पीकर हरमन कार्डन ऑडियो सिस्टम के साथ डॉल्बी एटमॉस, Calm, Cozy और Club थीम, एवरी डे, रेस और बूस्ट ड्राइविंग मोड्स, 12 अल्ट्रासोनिक सेंसर के साथ ऑटो पार्क फीचर जैसे कई फीचर्स मिलते हैं। इसके साथ ही सेफ्टी के लिए इसमें पांच रडार और एक विजन सिस्टम के साथ Level-2 ADAS और सात एयरबैग्स को दिया गया है। साथ ही ड्राइवर ऑक्यूपेंट मॉनिटरिंग सिस्टम और 360 डिग्री कैमरा को भी दिया गया है।

वहीं Creta Electric में कनेक्टिड एलईडी डीआरएल, एलईडी लाइट्स, एलईडी टेल लाइट्स, रूफ रेल, नए डिजाइन वाले 17 इंच के अलॉय व्हील्स, ड्यूल टोन पेंट स्कीम को दिया गया है। इसके अलावा में इस 360 डिग्री कैमरा, ADAS, छह एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, हिल असिस्ट, ट्रैक्शन कंट्रोल, डिजिटल की, आई-पैडल तकनीक, शिफ्ट बाय वायर सिस्टम जैसे कई फीचर्स को दिया जाएगा। इनके साथ ही इसमें V2L फीचर को भी दिया गया है जिससे यह एक पोर्टेबल पावर सोर्स की तरह भी काम करेगी। इंटीरियर में कई सिंगल टोन इंटरियर, ड्यूल जोन एसी, रियर एसी वेंट्स, वायरलेस चार्जर, पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स को दिया गया है।

Mahindra BE 6 Vs Hyundai Creta Price

महिंद्रा की ओर से BE 6 के बेस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 18.90 लाख रुपये रखी है। Pack Three वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 26.9 लाख रुपये रखी है। इसके लिए स्पेशल EMI स्कीम को भी लाया गया है जिसमें गाड़ी के टॉप वेरिएंट को खरीद कर हर महीने 39224 रुपये की EMI दी जा सकती है। ईएमआई ऑफर के लिए 15.5 पर्सेंट पेमेंट के बाद छह साल तक का लोन मिल सकता है।

वहीं Hyundai Creta EV को जल्द लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च के समय ही इसकी सही एक्स शोरूम कीमत की जानकारी मिलेगी। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसकी संभावित एक्स शोरूम कीमत 20 लाख रुपये के आस-पास रह सकती है।

निष्कर्षः कॉम्पैक्ट SUV सेगमेंट में Creta को पहचान की जरूरत नहीं है और साल दर साल बढ़ते वॉल्यूम इस बात की पुष्टि करते हैं। लेकिन Creta EV के लांच के बाद सबसे बड़ा सवाल भी यही रहेगा क्या ग्राहक 10.99 - 20.29 Lakh रुपये की एक्स शोरूम कीमत वाली Creta ICE को इलेक्ट्रिक अवतार में 18 - 24 lakh रुपये की एक्स-शोरूम पर खरीदना चाहेंगे? जिसके विपरीत महिंद्रा की BE 6 में आपको मिलती है पूरी एक्सक्लूसिविटी। एक गाड़ी जो कि Born Electric प्लेटफार्म पर तैयार की गई है और डिज़ाइन के मामले में एकदम नई नज़र आती है। बहुत जल्द क्रेटा इलेक्ट्रिक को बाजार में लॉन्च कर दिया जाएगा और कुछ ही समय में इस मुकाबले में कौन आगे रहेगा, इसका भी पता चल जाएगा। लेकिन, एक बात साफ है कि कंपनियों के बीच इस प्रतिस्पर्धा में असली जीत भारतीय ग्राहकों की ही होगी जिन्हें सही कीमत पर बेहतर उत्पाद मिलेगा।

विवाह संस्कार के समय पारिवारिक, सामाजिक समरसता, आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाता है

विजय गर्ग

अगर पंजाब में शादी की रस्मों और रीति-रिवाजों की बात करें तो 1965-70 से लेकर 1992 तक शादी के महीने कुछ अलग हुआ करते थे। उस समय पारिवारिक समानता, सामाजिक समरसता, परिवारों की दीर्घकालिक मित्रता, उनकी जाति समुदाय, समान रीति-रिवाज, सामाजिक और आर्थिक स्थिति आदि को ध्यान में रखा जाता था। उस समय लड़का/लड़की एक-दूसरे को जानते थे और एक-दूसरे को दूर से भी नहीं देखते थे। दो अनजान लोगों ने मिलकर एक मजबूत और स्थायी बंधन बना लिया।रचना करते थे समय बदलने के साथ, नब्बे के दशक में लड़का/लड़की दिखने का चलन शुरू हुआ, लेकिन तब भी परिवार ही प्रमुख था, चाहे लड़की कितनी भी अच्छी क्यों न हो, उसे दिखने की कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ता था। समय फिर बदला और लड़कियों के लिए शिक्षा की नई दरें खुलने लगीं आजकल पारिवारिक पृष्ठभूमि का विचार लगभग शून्य है। अधिकांश युवा अपना जीवनसाथी अपने अध्ययन स्थल या कार्यस्थल पर सहकर्मियों में से चुनते हैं। इसमें अधिकांश शिक्षा एवं विचार हैंसमानता जैसे कारण प्रमुख हैं. नए और अपरिचित रीति-रिवाजों से जुड़ना रुचि का विषय रहा होगा। इसके अलावा, युवा पीढ़ी वर्तमान में बिना शादी के एक-दूसरे के साथ रह रही है। जिसे लिव इन रिलेशनशिप कहा जाता है भारतीय संस्कृति इसे मान्यता नहीं देती है। दूसरी ओर, आज पश्चिमी देशों के लोगों ने समाज को बदलने की जिम्मेदारी ले ली है और अब समाज पुरुष और महिला के बजाय पुरुष और महिला के बीच विवाह की ओर बढ़ रहा है। यह एक बहुत ही खतरनाक प्रवृत्ति है। बेशक, भारतीय संस्कृति इसकी इजाज़त नहीं देती, लेकिन अदालतें इसकी इजाज़त देती हैंमें हैं अतः भारतीय संस्कृति के अनुसार रीति-रिवाज वैसे ही निभाए जाते हैं, बेशक आज वैसी भावना नहीं है। रोकें/आदेश दें रोका शब्द आज की पीढ़ी के लिए एक नया शब्द है। पुराने समय में विवाह आमतौर पर मध्यस्थों द्वारा संपन्न होते थे और यदि दोनों पक्ष सहमत होते थे, तो पूरी पंचायत की उपस्थिति में ही विवाह रोका जाता था। लड़के को शगुन देकर रोका जाता है. प्रसाद यह शादी में लड़की के परिवार द्वारा निभाई जाने वाली एक महत्वपूर्ण रस्म है. चूड़ा आमतौर पर लाल रंग का होता है लेकिन कई लोग सफेद रंग का चूड़ा भी पहनते हैं जिसे शादी के बाद डेढ़ महीने, डेढ़ साल तक भी नहीं बढ़ाया जाता है जिसके कारण यह परिवारों के भावनात्मक बंधन का भी प्रतीक है। लेकिन आजकल टीवी और फिल्मों की वजह से यह खर्च और प्रदर्शन का जरिया बन गया है। जागो जागो समारोह विवाह में एक महत्वपूर्ण समारोह है, आमतौर पर इस समारोह में मायका परिवार शामिल होता है। पहले दौर में जागो का उद्देश्य गांव में विवाह का संदेश देना थाअपने ही समुदाय के लोग हँसते थे और मज़ाक उड़ाते थे। जागरण में शामिल महिलाएँ बाहर के लोगों के बिस्तर धोती थीं। उस समय कोई नाराज नहीं होता था, लेकिन आज जागो की जगह डीजे ने ले ली है, इस मौके पर ननके के परिवार के सदस्य बोल-बोल कर छज तोड़ते हैं . शादी के समय दूल्हे को अकेला नहीं छोड़ा जाता, दूल्हा कम बोलता है, अगर उसे किसी चीज की जरूरत होती है तो वह सरवले से कह देता है, लेकिन कभी-कभी इसमें छोटा बच्चा भी बना दिया जाता है ।उनका सबसे करीबी भाई या मित्र हुआ करता था, जो उनके साथी के रूप में सभी कार्य संभालते थे। नौकर का काम या कर्तव्य मौज-मस्ती के काम या मुलाकातों तक ही सीमित था। श्रेय बांधना सिहर रस्म दूल्हे की सुरक्षा और आशीर्वाद के प्रतीक के रूप में की जाती है। जैसा कि कहा जाता है कि बहनें हमेशा भाई की लंबी उम्र और खुशी के लिए प्रार्थना करती हैं, इसलिए सिहर रस्म भी बहनों द्वारा की जाती है सभी बहनों को उपहार या शगुन दिया जाता था। इसका दूसरा कारण यह है कि यह दूल्हे को दूसरों से अलग बनाता हैकी तरह लगता है घोड़े की सवारी कुछ समय पहले, शादी से पहले घोड़े की रस्म निभाई गई थी, सड़क के चौराहे पर दूल्हे ने घास भी काटी और उसके बाद दूल्हे की मां ने दूल्हे से मुलाकात नहीं की बहू आ गई. आज घोड़ों की जगह कारों और सजी-धजी गाड़ियों ने ले ली है। बोलने/गाने का श्रेय यह रस्म शादी से एक दिन पहले घोड़ी के समय निभाई जाती थी। कभी-कभी यह गाना कोई प्रमाणित गायक भी गाता था। लेकिन धीरे-धीरे यह प्रथा भी पूरी तरह बंद हो गई। यह अनुष्ठान मंगलकामना के लिए है। यहदूल्हे की प्रशंसा की जाती है. भ्रमण/आनंद गतिविधियाँ फेरा या आनंद कार्य के साथ विवाह की रस्म पूरी होती है। फेरा और आनंद कार्य के बाद ही विवाह को सामाजिक और कानूनी मान्यता मिलती है। फेरा के दौरान पति-पत्नी अग्नि की परिक्रमा करते हुए सात वचन लेते हैं। सिख पंथ में विवाह आनंद कर्ज के अनुसार किया जाता है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब की उपस्थिति में लावा का पाठ किया जाता है। भेंट करना विवाह में जब कोई लड़का अपने ससुर के घर शादी के लिए पहुंचता है तो सबसे पहले मिलन समारोह आयोजित किया जाता है। इस समारोह का उद्देश्य रिश्तेदारों के लड़के के सम्मान से संबंधित होता हैऔर लड़की को ये नए रिश्ते मिलते हैं। इस समारोह में दादा/नाना/ ताया/ चाचा/ मामा/ फुफड़/ जीजा/ भाई को भी शामिल किया जाता है हार. वे एक दूसरे का सम्मान करते हैं. यह रिश्ते को मजबूत करने का एक प्रतीकात्मक समारोह है। शिक्षा बोल रही है प्रदर्शन के बाद लड़की की बहन या उसकी सहेली भाषण देती है। समय के अनुसार कुछ बुद्धिजीवियों ने यह कहकर शिक्षा कहना बंद कर दिया कि गुरु रामदास जी द्वारा दी गई शिक्षा के बाद लावा के रूप में कुछशिक्षा की कोई आवश्यकता नहीं है. अब ये रस्म बंद हो गई है. भुगतान बंद पहले के समय में जब बारात शादी के बाद खाना खाने बैठती थी तो लड़की के रिश्तेदार और समुदाय की महिलाएं कुड़हमों को पीटती थीं, जिन्हें सीठन कहा जाता था। आनंद करजा की रस्म के बाद दोनों परिवार खाना खाते हैं उसके बाद एक या दो रस्में और होती हैं और फिर बारी आती है लड़की की शादी की। पानी का छींटा जब पहले पीरियड में लड़के ने श्रेय बांधाजब के घर से दूर चला गया तो उसकी माँ अपने बेटे से तभी मिलती थी जब वह अपनी बहू लेकर आता था और जब तक बेटा बहू नहीं लाता था तब तक माँ पानी नहीं पीती थी और उसकी इच्छा थी कि अब वह वह अपने दामाद से पानी कभी-कभार ही पिएगी। गाना बजाना इसका संबंध एक लड़के और लड़की के स्वभाव को परखने से है। लेकिन अब ये रस्म ख़त्म होती नज़र आ रही है. दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे के सिर पर वार करने की रस्म निभाते थे। इसके बाद इस रस्म को देवर-भाभी ने भी निभाया. बंधे हुए लड़के/लड़की का गाना खोलने के लिएयह रस्म शादी के अगले दिन निभाई जाती है। गाना बजाने की रस्म भाभी द्वारा करायी जाती है। हल्दी की बुआई एवं रोपण विवाह में निभाई जाने वाली यह महत्वपूर्ण रस्म लड़के और लड़की दोनों से संबंधित होती है। पुराने समय में आज की तरह लड़के/लड़की को ब्यूटी पार्लर नहीं ले जाया जाता था। शरीर की शुद्धि और सौन्दर्यीकरण के लिए घर पर ही विभिन्न देशी साधनों के साथ हल्दी और वत्तन आदि का मिश्रण किया जाता था।एक लड़के और एक लड़की की शादी की रस्म घर की सुहागन महिलाओं द्वारा निभाई गई। लेकिन आजकल यह रस्म केवल औपचारिक रूप से ही की जाती है क्योंकि लड़का और लड़की सुन्दर होते हैंवे पार्लर जाते हैं और तैयार होते हैं। लड़के/लड़की की शादी से कुछ दिन पहले घर में शादी का माहौल बनाने के लिए गाने गाए जाते हैं। लड़के की शादी के समय लड़की की बहनें गोरी गाती हैं जिसमें भाई की वीरता का वर्णन किया जाता है। लड़कियों की शादी के समय सुहाग गाया जाता है और लड़की को हमेशा खुश रहने का आशीर्वाद दिया जाता है। पुराने समय में जब पानी की कमी होती थी और लड़के/लड़की को स्नान कराने के लिए शुद्ध जल की आवश्यकता होती थी, तो लड़के/लड़की के मामा-मामी या जीजाजी पानी भरने की इस रस्म को निभाते थे। उनके कंधों पर खरोला। सारशुद्ध पानी पाने के लिए समुदाय एक साथ जाता था। शादी से जुड़े गीत गाती महिलाएं शादी का अद्भुत माहौल बना देती थीं। आजकल यह समारोह नाममात्र का है।

विश्व हिंदी दिवस विशेष : स्मार्ट वर्क, क्विक सक्सेस

दस जनवरी को फिर से विश्व हिंदी दिवस मनाया जाएगा। इसे यादगार बनाने के लिए मैंने इस बार कुछ मौलिक कोट्स और मुहावरे लिखे हैं। इनको पाठकों के साथ साझा करना चाहूंगा। मेरा पहला कोट्स है – स्मार्ट वर्क, क्विक सक्सेस। अर्थात त्वरित सफलता के लिए हार्ड वर्क नहीं, बल्कि स्मार्ट वर्क की जरूरत होती है। इस कोट्स के जरिए मैंने आधुनिक समस्या का आधुनिक समाधान देने की कोशिश की है। लेकिन यह भी कहना चाहूंगा कि स्मार्ट वर्क की नई कल्चर के कारण परंपरागत हार्ड वर्क की वैल्यू कम नहीं हो जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी की सलाह से रास्ते तो मिल सकते हैं, लेकिन मंजिल तो अपनी कड़ी मेहनत से ही मिलेगी। स्मार्ट वर्क का मतलब 'आगे दौड़, पीछे चौड़' करना भी नहीं है। हर किसी को अपने एसाइंड वर्क को पूरी तरह समझना होगा, कान्सेप्ट को पूर्णतः समझना होगा और प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए उसको पूर्णता में समझना होगा। हां, यह जरूर है कि हमें भगवान कार्तिकेय के रास्ते के बजाय भगवान गणेश जी का रास्ता अपनाना चाहिए, जिन्होंने पृथ्वी की परिक्रमा पूरी करने के लिए अपने माता-पिता की परिक्रमा ही कर ली थी। स्मार्ट वर्क का मतलब किसी चीज को गहराई से समझने की कोशिश छोड़ देना भी नहीं है। हर कार्य को कुशलता के साथ बारीकी से किया जाना चाहिए। सफलता का कोई शार्ट कट भी नहीं है। फिर भी आज के व्यस्त जीवन में कार्य को निपटाने के लिए, त्वरित सफलता पाने के लिए सोच-विचार करके नया रास्ता तलाशने की भी जरूरत है। यह नया रास्ता स्मार्ट वर्क के रूप में हो सकता है।

एक बड़े विचारक और कारोबारी ने कहा भी है कि अगर मुझे किसी को कोई बड़ा काम सौंपना होगा, तो मैं सबसे आलसी व्यक्ति का चुनाव करूंगा, क्योंकि आलसी व्यक्ति बड़े काम को जल्दी से और आसानी से पूरा करने के लिए कोई सहज राह अवश्य ढूंढेगा। इसलिए स्मार्ट वर्क का अपना महत्त्व, विशेषकर आज के व्यस्ततम युग में ज्यादा बढ़ गया है। मेरा दूसरा कोट्स है : भोजन ऐसे करो जैसे तुम सदा जीने वाले हो, भजन ऐसे करो जैसे तुम कल मरने वाले हो। भावार्थ यह है कि तुम सदा जीने वाले हो, इसलिए भोजन कम करो, लेकिन तुम कल मरने वाले हो, इसलिए भजन बहुत ज्यादा, आज ही कर लो। भाव यह है कि जीवन में सफलता के लिए भोजन कम मात्रा में करना चाहिए, लेकिन भजन इतना करो कि तुम भगवान के दर्शन करने के लिए जाने के बजाय भगवान ही तुम्हारे दर्शन को आ जाएं। भक्त का भगवान के दर्शन को जाना रस है, जबकि भगवान का भक्त के दर्शन को आना रास है। इसलिए भजन इतना करो कि भगवान भक्त के साथ रास करने के लिए आ जाएं। ऐसा रास करवाना है जैसा श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ किया था। मेरा तीसरा कोट्स है : घरबार में दिल से, और बाजार में दिमाग से काम करें। भावार्थ यह है कि कहीं दिल से, कहीं दिमाग से काम लिया जाना चाहिए। घरबार में भावनाओं की कद्र होती है, इसलिए वहां दिल से काम किया जाना चाहिए। लेकिन बाजार में यह फार्मूला काम नहीं करता है क्योंकि वहां भावनाओं की इतनी कद्र नहीं होती है। इसलिए बाजार में दिमाग से ही काम लिया जाना चाहिए। चौथा कोट्स : किसी पुरुष के खिलाफ किसी महिला का अंधसमर्थन गलत फैसला भी हो सकता है। भावार्थ यह है कि जिस तरह कई बार महिला ही महिला की दुश्मन होती है, उसी तरह कई बार पुरुष ही पुरुष का दुश्मन होता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और प्रारंभिक शिक्षा

विजय गर्ग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने, एक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वजनिक पहुंच प्रदान करना वैश्विक मंच पर सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के संदर्भ में भारत की सतत प्रगति और आर्थिक विकास की कुंजी है। ये बातें इस तथ्य को ध्यान में रखकर कही जा रही हैं कि अगले दशक में भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश होगा। यदि युवाओं को एक बेहतर मानव संसाधन के रूप में तैयार करना है तो शिक्षा उसमें सबसे महत्वपूर्ण है।

नई शिक्षा नीति में अवधारणात्मक समझ पर जोर दिया गया है। अभी तक यदि विद्यालयी शिक्षा के प्रारूप को देखें तो उसमें रट कर पढ़ लेने वाली पद्धति हावी थी। एक बच्चे को कितनी चीजें याद हैं यह हमारे समाज में महत्वपूर्ण रहा, बजाय इसके कि वह किसी विषय को लेकर कितनी समझ रखता है। कई बार केवल बचपन ही नहीं, अपितु बड़ी कक्षाओं की पढ़ाई भी केवल परीक्षा पास कर डिग्री ले लेने भर तक सीमित है । इस प्रक्रिया में केवल परीक्षा के समय पढ़कर पास हो जाना भर उद्देश्य है। यदि सामाजिक मान्यता केवल डिग्री भर लेना है तो शिक्षा की गुणवत्ता में कमी का होना स्वाभाविक है। इसलिए नई नीति में रचनात्मक व तार्किक सोच पर विशेष बल देकर केवल रट कर पास होने वाली प्रणाली को बदलने की कोशिश की गई है। इस नए रूप में नैतिकता, मानवीय व संवैधानिक मूल्यों को बढ़ाने पर बहुत जोर दिया गया है। विविधता और स्थानीय परिवेश के लिए सम्मान का भाव और भारतीय मूल्यों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

विज्ञानियों एवं चिकित्सकों के अनुसार, एक स्वस्थ बच्चे का मस्तिष्क छह वर्ष तक की आयु में लगभग 85 प्रतिशत तक विकसित हो जाता है। इसलिए आरंभिक छह वर्ष की अवस्था एक बच्चे के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है जिसमें उसके मानसिक एवं शारीरिक विकास का ध्यान रखा जाना बहुत ही जरूरी हो जाता है, जिस और इस नीति में ध्यान दिया गया है। बच्चों का कम समय में ही शिक्षा को छोड़ देना एक बड़ी समस्या है। छठी- आठवीं तक 91 प्रतिशत, नौवीं दसवीं में 79 और 11वीं-12वीं में केवल 56 प्रतिशत विद्यार्थी ही आगे जा रहे हैं, यह चिंताजनक है। वर्ष 2030 तक माध्यमिक स्तर तक 100 प्रतिशत दर को कायम रखने की बात कही गई है।

इस नए पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण है। मातृभाषा पर बल । जहां तक संभव हो आठवीं तक की पढ़ाई भी मातृभाषा में ही हो। यह न केवल सीखने की क्षमता व गति को बढ़ाएगा, अपितु मातृभाषा के संरक्षण एवं संवर्धन का भी एक बड़ा उपाय है। भाषा की शक्ति व बहुभाषिकता को बढ़ाए जाने पर जोर देने से भारत के सांस्कृतिक वैविध्य को भी सुरक्षित किया जा सकेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भारतीय ज्ञान प्रणाली के आधार पर तैयार करने पर बल दिया। गया है। योजनाएं इस पर आधारित हैं, पर सबसे बड़ा सवाल योजनाओं के क्रियान्वयन पर है। प्रारंभिक शिक्षा के खस्ताहाल हो जाने का एक बड़ा कारण आधारभूत ढांचे का अभाव और बड़ी मात्रा में शिक्षकों के पद रिक्त हैं। कई जगह शिक्षक अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहे। इन सब ने सम्मिलित रूप से सरकारी प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था की छवि को धूमिल किया है। मजबूरी में भले लोग अपने बच्चों का वहां नामांकन करा दें, लेकिन सच्चाई यही है कि सक्षम परिवार उधर रुख नहीं करते। इन सबसे निपटना आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। यदि इन व्यावहारिक समस्याओं को सुलझा लिया गया तो निकट भविष्य में हम इस दिशा में बेहतर स्थिति में होंगे।

लचीलेपन को फिर से परिभाषित किया गया: बिना टूटे झुकने की कला

विजय गर्ग

दर्द से बचना तो दूर, लचीलापन हमें इसे आत्म-खोज और नवीनीकरण के उत्प्रेरक के रूप में अपनाना सिखाता है

लचीलेपन को अक्सर एक अटल ताकत के रूप में गलत समझा जाता है, लेकिन इसका असली सार लचीलेपन और विकास में निहित है। यह दर्द या प्रतिकूल परिस्थितियों से बचने के बारे में नहीं है बल्कि साहस और उद्देश्य के साथ उनसे निपटना सीखने के बारे में है। लचीलापन हमारे भीतर की फुसफुसाहट है जो कहती है, "आप पुनर्निर्माण कर सकते हैं।"

36 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रिया (बदला हुआ नाम) को ही लें, जिसका जीवन एक अप्रत्याशित छंटनी के बाद अस्त-व्यस्त हो गया। उसने स्वीकार किया, "मुझे लगा कि मैंने अपना सब कुछ खो दिया है - अपना आत्मविश्वास, अपनी पहचान।" उसके पेशेवर तनाव के नीचे वर्षों का आत्म-सम्मान बाहरी मान्यता से बंधा हुआ था। जर्नलिंग और संज्ञानात्मक रीफ्रेमिंग के माध्यम से, प्रिया को पता चला कि उसकी योग्यता उपलब्धियों से कहीं अधिक है। छंटनी एक अंत नहीं, बल्कि खुद को फिर से परिभाषित करने का एक अवसर बन गई।

मनोवैज्ञानिक एन मास्टेन लचीलेपन को ₹साधारण जादू₹ कहते हैं, इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि यह कोई असाधारण गुण नहीं है बल्कि एक कौशल है जिसे हम सभी विकसित कर सकते हैं। आज की अप्रत्याशित दुनिया में, लचीलापन अब वैकल्पिक नहीं है - यह आवश्यक है।

लचीलेपन के निर्माण खंड

लचीलापन वापस लौटने के बारे में नहीं है, बल्कि चुनौतियों से परिवर्तित होकर आगे बढ़ने के बारे में है। इसकी नींव चार प्रमुख तत्वों पर टिकी है:

1. आत्म-विश्वासः जीवन के तूफानों से निपटने की अपनी क्षमता पर विश्वास करना।

2. भावनात्मक चपलताः भावनाओं से प्रभावित हुए बिना उन्हें स्वीकार करना और संसाधित करना।

3. रिलेशनल एंकरः समर्थन और सुरक्षा के लिए सार्थक कनेक्शन पर भरोसा करना।

4. आशापूर्ण यथार्थवादः बेहतर परिणामों में विश्वास के साथ कठिनाई की स्वीकृति को संतुलित करना। काम के तनाव से परेशान 50 वर्षीय वकील रोहन (बदला हुआ नाम) पर विचार करें। सचेतन श्वास जैसी ग्राउंडिंग तकनीकों ने उन्हें स्पष्टता हासिल करने में मदद की। उन्होंने साझा किया, ₹इसने मुझे याद दिलाया कि अराजकता में भी, मैं शांति पा सकता हूं।₹ ये तत्व हर किसी के लिए सुलभ हैं। लचीलापन असाधारण ताकत के बारे में नहीं है; यह लगातार किए गए सामान्य विकल्पों के बारे में है।

लचीलेपन के लिए व्यावहारिक उपकरण लचीलापन का निर्माण छोटे, जानबूझकर किए गए कार्यों से शुरू होता है। जर्नलिंग हमें भावनाओं को संसाधित करने और पैटर्न को उजागर करने की अनुमति देती है। 'मेरा डर मुझसे क्या सीखना चाहता है?' जैसे संकेत या 'मैं इस पल के बारे में अपने युवा स्वंय को क्या बताऊंगा?' चुनौतियों को विकास के अवसरों में बदला जा सकता है। माइंडफुलनेस हमें वर्तमान में स्थापित करती है। अदिति (बदला हुआ नाम), एक अकेली मां, को एक साधारण अभ्यास में सांत्वना मिलीः अपने दिल पर हाथ रखकर और दोहराते हुए, "मैं सुरक्षित हूं। मैं काफी हूँ।"

रचनात्मक अभिव्यक्ति, जैसे कला या आंदोलन, उन भावनाओं को मुक्त करने में मदद करती है जिन्हें शब्द नहीं कर सकते। समायरा (बदला हुआ नाम), एक 19 वर्षीय नर्तकी, ने किसी प्रियजन को खोने के बाद दुःख को व्यक्त करने के लिए एक नृत्यकला को कोरियोग्राफ किया। "यह मेरे शरीर के लिए वह कहानी बताने का एक तरीका बन गया जो मैं बोल नहीं सकती थी," उसने प्रतिबिंबित किया।

लचीलेपन का उपहार

लचीलापन गहराई से मानवीय है। यह फिर से प्रयास करने के छोटे-छोटे निर्णयों, उन कनेक्शनों में पाया जाता है जो हमें याद दिलाते हैं कि हम अकेले नहीं हैं, और अनिश्चितता में आशा देखने की क्षमता में पाया जाता है।

, "जब हम किसी स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं होते हैं, तो हमें खुद को बदलने की चुनौती दी जाती है।" लचीलापन अटूट होने के बारे में नहीं है - यह बिना टूटे झुकना सीखने और यह विश्वास करने के बारे में है कि, चाहे हम कितनी भी बार गिरें, हम फिर से उठ सकते हैं।

सीबीएसई/आईसीएसई/स्टेट बोर्ड 2025: छात्रों को केवल एक महीने में बोर्ड परीक्षा में सफल होने में मदद करने के लिए युक्तियाँ

डब्ल्यू बोर्ड परीक्षा समय के खिलाफ एक दौड़ है ! यह विस्तृत योजनाओं का समय नहीं है, बल्कि इसके लिए अधिक रणनीतिक मानसिकता की आवश्यकता है, और चरण-वार दृष्टिकोण सभी अंतर ला सकता है

चरण 1: एक मजबूत रणनीति बनाना

1. एक यथार्थवादी अध्ययन कार्यक्रम बनाएं

अपने दिन की योजना एक स्पष्ट कार्यक्रम के साथ बनाएं जिसमें सभी विषयों के लिए समय आवंटित हो। कमजोर क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दें लेकिन मजबूत विषयों को नजरअंदाज न करें। सुनिश्चित करें कि आपके पास बर्नआउट से बचने के लिए पर्याप्त ब्रेक हों।

2. परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को समझें

आप कहां उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं और कौन से क्षेत्र चुनौती पेश कर सकते हैं, इसकी पहचान करने के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न की गहन समीक्षा करें। प्रश्नों और समय प्रबंधन से परिचित होने के लिए पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास करें।

3. मूल अवधारणाओं में महारत हासिल करें

केवल तथ्यों को याद रखने के बजाय मूल अवधारणाओं की गहरी समझ विकसित करें। योग्यता-आधारित प्रश्नों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सीखने को आसान बनाने के लिए निमोनिक्स और विजुअल एड्स जैसे माइंड मैप और फ्लैशकार्ड जैसे अंकी जैसे उपकरणों का उपयोग करें।

4. सक्रिय पुनरीक्षण तकनीकों को शामिल करें

सक्रिय पुनरीक्षण आपकी स्मृति में अवधारणाओं को मजबूत करता है। स्व-प्रश्नोत्तरी जैसी तकनीकों का उपयोग करें

विषयों को अपने शब्दों में सारांशित करें या बेहतर समझ के लिए किसी और को पढ़ाएं।

5. स्वस्थ और हाइड्रेटेड रहें

बर्नआउट को रोकने के लिए पोमोडोरो तकनीक जैसी विधियों का उपयोग करके छोटे, नियमित ब्रेक लेना याद रखें। सुनिश्चित करें कि आप नियमित जलयोजन के साथ स्वस्थ आहार का पालन करें और अपने दिमाग को तेज रखने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें।

चरण 2: शोधन और पॉलिशिंग (अंतिम 1 महीना)

6. उच्च स्कोरिंग क्षेत्रों पर ध्यान दें

वेटेज के आधार पर महत्वपूर्ण अध्यायों को प्राथमिकता दें। ये आपके स्कोर को बढ़ा सकते हैं इसलिए इनमें महारत हासिल करने के लिए समर्पित समय आवंटित करें।

7. परीक्षा स्थितियों का अनुकरण करें

मॉक टेस्ट आपको वास्तविक परीक्षा के दबाव के अनुरूप ढलने और अपना समय प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद करते हैं। सप्ताह में दो बार समयबद्ध परिस्थितियों में मॉक परीक्षा दें।

8. एक गलती ट्रैकर बनाए रखें

अभ्यास परीक्षणों के दौरान की गई गलतियों को रिकॉर्ड करने के लिए एक जर्नल रखें। अपने शिक्षक के साथ इनकी समीक्षा करें और मुख्य परीक्षा में इन्हें दोहराने से बचने के लिए मॉक टेस्ट दोबारा दें।

9. समय निकालना - किसी ऐसी गतिविधि/शौक/खेल के लिए जिसका आप वास्तव में आनंद लेते हैं (दिन में कम से कम 30-45 मिनट के लिए)

चरण 3: फ़ाइन-ट्यूनिंग (अंतिम 2 सप्ताह)

10. अपने दिमाग पर ज्यादा बोझ डालने से बचें

यह थोड़ा धीमा होने का समय है। नई सीख सीमित रखें और जो आप पहले से जानते हैं उसे दोहराने पर ध्यान केंद्रित करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलती है और तनाव कम होता है। इस समय, यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप महत्वपूर्ण विवरण बनाए रखते हैं, संक्षिप्त नोट्स/सारांशों पर ध्यान केंद्रित करें।

बोर्ड परीक्षाएँ कठिन लग सकती हैं, लेकिन एक स्पष्ट योजना और निरंतर प्रयास के साथ, छात्र उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं और अपनी अपेक्षाओं को पार कर सकते हैं। याद रखें, ये दो महीने शक्तियों को अधिकतम करने, कमजोरियों को दूर करने और स्वस्थ मानसिकता बनाए रखने के बारे में हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत मौसम सुधार

उत्तर और मध्य भारत का मैदानी भूभाग शीत, शीतलहर और अंधेरी धुंध में परिवर्तित है। समुद्र की दैनिक प्राकृतिक गतिविधि की परिधि से बाहर के पश्चिम और दक्षिण भारत के भूक्षेत्र भी शीत ऋतु के अप्रत्यक्ष दुष्प्रभाव में होते ही होते हैं। शीत हो, ग्रीष्म हो या अन्य ऋतुएं हों, इनमें मौसम हमेशा से ऐसा नहीं था, जैसा कि बीते कुछ सालों में हो रहा है। उत्तर दिशा के मैदानी क्षेत्र ऋतुओं की विकृतियों के कारण जीने लायक नहीं रहे। ऐसे क्षेत्रों में जीवन अनुकूल नहीं रहा। ऐसी जगहें दिन-प्रतिदिन मौसम की मार से जीवन के प्रतिकूल होती जा रही हैं। भारत में प्रगति के परिणामस्वरूप जैसे-जैसे पेड़ों और वन-वनस्पतियों में कमी होती रही, उसी गति से ऋतुचक्र असंतुलित होता रहा। यह प्रक्रिया बीते पचास-साठ सालों से बहुत तेजी से हो रही है। इस कारण शीत ऋतु में मौसम अत्यंत मारक हो जाता है। भारत में हिमालय की श्रृंखला में मौसम कैसा है, इसका सीधा प्रभाव हिमालय की तलहटी में बसे मैदानी क्षेत्रों पर पड़ता है। हिमालय की पूरी श्रृंखला 595000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है। यह अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भूटान, चीन, भारत और नेपाल के भौगोलिक क्षेत्रों को स्पर्श करते हुए परिव्याप्त है। भारत के अलावा दूसरे देशों में स्थित हिमालयी पट्टी की जलवायु में होने वाली अस्थिरता का असर सीधे-सीधे हिमालय में और इसके समानांतर स्थित भारत के पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों पर भी होता है। इसी तरह भारत की तरफ के हिमालय के मौसम में उत्पन्न परिवर्तन का प्रभाव उक्त देशों पर भी होता है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की पर्वतमाला में हिमपात और वर्षा के बाद शुरू होने वाली विकट ठंड पंद्रह दिसंबर से फरवरी तक उत्तर और मध्य भारत के मैदानी जनजीवन को थाम देती है। ठंड के साथ धुंध की घनी परत यहां-वहां सब जगह फैल जाती है। इस कारण सूरज की किरणें भी धुंधग्रस्त क्षेत्रों में दिखाई नहीं देतीं। असल में यह धुंध उसी बर्फ में से उठने वाली वाष्प होती है, जो लाखों किलोमीटर तक फैली हुई पर्वत श्रृंखला में गिरी हुई होती है।

हिमपात के दो-तीन दिन बाद इसमें से वाष्प उठनी शुरू हो जाती है, जो बहुत बड़ी मात्रा में ऊंचे पर्वतों की चोटियों से उडक़र, कभी धीमे-धीमे तो कभी तेजी से सरकते हुए, नीचे के समतल भूभागों और इनके ऊपर के वायुमंडल में फैल जाती है। अधिक मात्रा में गिरी-जमी बर्फ के वाष्पीकरण की यह क्रिया कम से कम पंद्रह दिनों और अधिकतम डेढ़ महीने तक होती रहती है। हरेक साल ऋतुचक्र के असंतुलन से वाष्पीकरण की क्रिया एक निर्धारित अवधि तक ही नहीं होती। प्रति वर्ष इसकी अवधि कभी कम तो कभी ज्यादा होती है। इस वाष्प की मात्रा इतनी ज्यादा होती है कि यह कई दिनों तक मैदानी भूभाग और इसके वायुक्षेत्र में स्थिर रहती है। इससे जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है। लोगों को स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। शरीर के लिए तो ऐसी ठंड और धुंध घातक होती ही होती है, साथ ही साथ यह मनोविकार और अवसाद भी बढ़ाती है।

ड्राइवर और कृषि मजदूरों की बढ़ेगी मांग, किन नौकरियों पर आएगा खतरा?

परिवहन विशेष न्यूज

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दूसरी टेक्नोलॉजी के एडवांस होने से जॉब मार्केट काफी तेजी से बदलने वाला है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) का कहना है कि आने वाले वर्षों में क्लर्क और कैशियर जैसी नौकरियां तेजी से कम होंगी। वहीं कृषि मजदूरों और ड्राइवरों की डिमांड तेजी से बढ़ेगी। आइए जानते हैं वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की जॉब रिपोर्ट की पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। अगले पांच साल में कृषि श्रमिक और गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवरों की मांग तेजी से बढ़ेगी। ये सेक्टर तेजी से बढ़ने वाली नौकरियों में शुमार होंगे। वहीं कैशियर और क्लर्क जैसे जॉब रोल्स में कमी आएगी। यह जानकारी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) की 'भविष्य की नौकरी रिपोर्ट' 2025 से मिली है। यह रिपोर्ट स्विट्जरलैंड के दावोस में 20 से 25 जनवरी को होने वाले WEF की सालाना बैठक से कुछ दिन पहले जारी की गई है।

रोजगार के कितने मौके पैदा होंगे?

WEF की रिपोर्ट बताती है कि 2030 तक 17 करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी। इस दौरान 9.2 करोड़ लोगों को नौकरियां खोनी भी पड़ सकती हैं। इसका मतलब है कि शुद्ध रूप से 7.8 करोड़ नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नई-नई टेक्नोलॉजी आने के साथ 2030 तक नौकरियों में व्यापक स्तर पर बदलाव आने की संभावना है। तकनीकी तरक्की के अलावा जनसंख्या संबंधी बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव इसके कारण हैं। इससे दुनियाभर में उद्योग और पेशा नया आकार ले रहा है।

इस स्टडी में 1,000 से अधिक कंपनियों के आंकड़ों के आधार पर पाया गया कि स्किल गैप आज भी व्यवसाय में बदलाव को लेकर सबसे बड़ी दिक्कत बनी हुई है। नौकरी के लिए जरूरी लगभग 40 प्रतिशत स्किल में बदलाव होना तय है। 63 प्रतिशत कंपनियां और ऑर्गनाइजेशन पहले से ही इसे अपने सामने आने वाली प्रमुख दिक्कत के रूप में बता रहे हैं।

सेल्सपर्सन, ड्राइवर की बढ़ेगी मांग

WEF की रिपोर्ट के अनुसार, कृषि क्षेत्र में सबसे अधिक रोजगार पैदा होगा। इसमें कृषि मजदूर और अन्य श्रमिक शामिल होंगे। इसके बाद हल्के ट्रक या 'डिलीवरी' से जुड़े ड्राइवर, सॉफ्टवेयर और एप्लिकेशन डेवलपर, दुकानों में काम करने वाले 'सेल्सपर्सन' आदि होंगे। वहीं, मरीजों की देखभाल करने वाले नर्सिंग प्रोफेशनल्स और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की नौकरियों में भी इजाफा होगा।

क्लर्क की नौकरियों में आएगी कमी

रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी ओर पांच सबसे तेजी से घटती नौकरियों की सूची में सबसे ऊपर कैशियर और टिकट क्लर्क हैं। इसके बाद प्रशासनिक सहायक और कार्यकारी सचिव हैं। इमारतों की देखभाल करने वाले और सफाईकर्मियों के लिए भी रोजगार के मौके घटेंगे। चीजों का रिकॉर्ड और स्टॉक की देखरेख से जुड़े क्लर्कों की नौकरियां भी कम होंगी। वहीं, छपाई जैसे क्षेत्र में काम करने वालों के लिए रोजगार के मौके कम रहेंगे।

गृह ऋण की ईएमआई कम रखना चाहते हैं? ये पांच टिप्स आएंगे काम

घर खरीदने के लिए ज्यादातर लोग होम लोन लेते हैं। लेकिन उन्हें ज्यादा समय तक होम लोन की ईएमआई चुकाने में दिक्कत होती है। इस EMI पर उन्हें हर महीने अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आप किस तरह से होम लोन की EMI कम कर सकते हैं।

नई दिल्ली। होम लोन लेने के बाद सबसे बड़ी चिंता होती है उसकी मासिक किस्त यानी EMI चुकाने की। चूंकि, होम लोन की रकम काफी बड़ी होती है, तो इसकी ईएमआई भी काफी लंबे वक्त तक चलती है। इसलिए हर कोई चाहता है कि उसका ईएमआई का बोझ कम ही रहे। आइए जानते हैं EMI कम करने के पांच टिप्स।

होम लोन का डाउन पेमेंट अधिक करें

आपको घर खरीदने से पहले डाउन पेमेंट के लिए एक बड़ी रकम जुटा लेनी चाहिए। आपका जितना अधिक डाउन पेमेंट करेंगे, EMI का बोझ उतना ही कम हो जाएगा। आपको मकान की कुल कीमत का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा डाउन पेमेंट करना चाहिए। जैसे कि अगर आप 40 लाख का घर ले रहे हैं, तो 10 लाख रुपये डाउन पेमेंट करें।

प्री-पेमेंट से भी घटेगी होम लोन की ईएमआई

आपको जब भी एकमुश्त अतिरिक्त पैसा मिले, तो उससे होम लोन का प्री-पेमेंट कर दें। इससे लोन का प्रिंसिपल अमाउंट कम होगा। इससे EMI के साथ कर्ज की अवधि भी घटेगी। लोन की अवधि कम होने से आपकी टेंशन कम होगी, और आपको बैंक को ब्याज भी कम चुकाना पड़ेगा।

होम लोन ट्रांसफर कराना भी अच्छा विकल्प

अगर आपका री-पेमेंट रिकॉर्ड अच्छा है, तो आप किसी ऐसे लेंडर के पास लोन ट्रांसफर करा सकते हैं, जो कम ब्याज दर दे रहा है। होम लोन बैलेंस ट्रांसफर काफी अच्छा विकल्प है। लेकिन, लोन ट्रांसफर करने से पहले आपको अतिरिक्त लागत के बारे में जरूर पता कर लेना चाहिए। इसमें प्रोसेसिंग फीस और फोरक्लोजर फीस जैसे चार्ज शामिल होते हैं।

होम लोन ओवरड्राफ्ट सुविधा का इस्तेमाल करें

आप होम लोन ओवरड्राफ्ट सुविधा ले सकते हैं। इसमें आप अपनी EMI के अलावा भी अपने होम लोन अकाउंट में अतिरिक्त रकम जमा करवा सकते हैं। अकाउंट में अतिरिक्त रकम रखने से आपके ब्याज की रकम और लोन की अवधि घट जाएगी। यह लोन जल्दी खत्म करने में भी मददगार साबित हो सकता है।

फ्लोटिंग रेट लोन चुनना भी अच्छा ऑप्शन

आप होम लोन लेते वक्त फ्लोटिंग रेट का विकल्प चुन सकते हैं। इस लोन में ब्याज दर बाजार की स्थितियों के अनुसार बदलती रहती है। अगर ब्याज दर कम होती है, तो आपकी ईएमआई भी कम हो जाएगी। हालांकि, इसमें नीतिगत ब्याज दर बढ़ने के साथ ईएमआई बढ़ने का जोखिम भी रहता है।

साबुन, शैंपू के बढ़ रहे दाम, खाद्य तेल की कीमत बढ़ने का असर; जानें पूरी डिटेल

नई दिल्ली। रिफाइंड व कच्चे पाम आयल पर सितंबर में आयात शुल्क में बढ़ोतरी के बाद खाद्य तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दूसरी तरफ पाम आयल के इस्तेमाल से बनने वाले साबुन, शैंपू, कपड़े धोने वाले पाउडर चॉकलेट, बिस्कुट जैसे आइटम के भी नए साल में महंगे होने के आसार हैं।

HUL से लेकर गोदरेज जैसी FMCG कंपनियां तक साबुन के दाम पर नौ प्रतिशत तक बढ़ोतरी चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में ही कर चुकी है। एफएमसीजी से जुड़े कई आइटम के उत्पादन के लिए पाम आयल प्रमुख कच्चा माल है। सितंबर में आयात शुल्क में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद पाम आयल के दाम में पिछले साल की तुलना में 30 प्रतिशत तक का इजाफा हो चुका है।

खाद्य तेल के लगातार बढ़ रहे दाम

घरेलू स्तर पर पाम आयल के दाम बढ़ने से खाद्य तेल की कीमतों में सितंबर के बाद लगातार बढ़ोतरी हो रही है। खाद्य तेल की घरेलू मांग की 55 प्रतिशत से अधिक पूर्ति आयात से की जाती है और इसमें पाम आयल की प्रमुख हिस्सेदारी होती है। पाम आयल के महंगा होने से अन्य सभी खाद्य तेलों पर इसका दबाव दिखा। गत वर्ष 14 सितंबर से पाम आयल के आयात शुल्क में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई।

खुदरा महंगाई दर के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल सितंबर में खाद्य तेल के खुदरा दाम में सितंबर, 2023 के मुकाबले 2.47 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। पिछले साल अक्टूबर में यह बढ़ोतरी 9.51 प्रतिशत तो नवंबर में 13.28 प्रतिशत तक पहुंच गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी से पहले पिछले साल अगस्त में खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में अगस्त, 2023 की तुलना में 0.86 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

पिछले दो महीनों से खुदरा महंगाई दर की कुल बढ़ोतरी में सब्जी के दाम के बाद खाद्य तेल की प्रमुख भूमिका दिखने लगी है। हालांकि सरकार ने घरेलू खाद्य तेल उद्योग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पाम आयल के आयात शुल्क में बढ़ोतरी की थी। ताकि खाद्य तेल के लिए आयात पर हमारी निर्भरता खत्म हो सके।

खाद्य तेल का दाम बढ़ने का दिख रहा असर

आयात शुल्क में बढ़ोतरी के दौरान सरकार ने तेल व्यापारियों से खाद्य तेल के दाम को नियंत्रित रखने की अपील भी की थी। लेकिन कई खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में पिछले साल सितंबर से नवंबर के बीच ही 20 रुपए प्रति लीटर से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी थी। विशेषज्ञों के मुताबिक एफएमसीजी वस्तुओं की कीमतें प्रभावित होने से उनकी बिक्री घट सकती है। खासकर ग्रामीण इलाके में खपत में कमी आ सकती है।

तभी एफएमसीजी कंपनियां अपने उत्पादों के साइज को छोटा कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कई कंपनियां पाम आयल के इस्तेमाल से बनने वाले आइटम की कीमतों में बढ़ोतरी कर चुकी है। कंपनी का कहना है का लागत बढ़ने के दबाव जारी रहा तो इस प्रकार की बढ़ोतरी से फिर से की जा सकती है।

सोना फिर 80 हजार रुपये के पार, चांदी की भी बढ़ी चमक; चेक करें लेटेस्ट प्राइस

परिवहन विशेष न्यूज

गोल्ड का रेट 1 महीने बाद फिर से 80000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पहुंच गया है। इसकी कई वजहें हैं। एक तो जौहरी और स्टॉकिस्ट भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। वहीं चीन और भारत समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने भी सोने की खरीद बढ़ाई है। वहीं चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन तेजी देखने को मिली। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। सोना एक बार फिर से 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के पार पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें 80,000 रुपये के स्तर पर पहुंच गईं। इसकी वजह आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की बढ़ी खरीदारी रही। 24 कैरेट वाला गोल्ड 300 रुपये बढ़कर करीब एक महीने के बाद 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। मंगलवार को पिछले सत्र में यह 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

वहीं, चांदी की कीमतों में भी लगातार तीसरे दिन बढ़त देखने को मिली। चांदी का भाव 500 रुपये बढ़कर करीब एक महीने के उच्च स्तर 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। पिछले बाजार सत्र में यह सफेद धातु 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने स्थानीय बाजारों में आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग को इसकी वजह बताया।

गोल्ड के भाव पर एक्सपर्ट की राय

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'बुधवार को सोने में तेजी आई क्योंकि चीन की ओर मजबूत मांग से धारणा को बल मिला। दुनिया में सोने के प्रमुख उपभोक्ता चीन ने मंगलवार को प्रकाशित आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर दिसंबर में लगातार दूसरे महीने अपने गोल्ड रिजर्व में वृद्धि की।'

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC) ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि नवंबर 2024 में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने सामूहिक रूप से अपने भंडार में 53 टन सोना जोड़ा। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक का आठ टन सोना भी शामिल था। चीन का लगातार दूसरे महीने सोना खरीदना कीमती धातु के लिए तेजी का संकेत माना जा रहा है। गांधी ने कहा कि व्यापारियों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापस आने के बाद चीन अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने के लिए सोना जोड़ना जारी रखेगा।

अमेरिकी डेटा पर भी रहेगी नजर

ऑगमोंट में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा, ₹अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट शुक्रवार को जारी होने वाली है। अगर इस डेटा से ब्याज दरों में कटौती होने के संकेत मिलते हैं, तो निवेशक गोल्ड में निवेश बढ़ा सकते हैं।₹ इस बीच, वाणिज्य मंत्रालय ने नवंबर के लिए सोने के आयात के आंकड़ों को 5 अरब डॉलर घटाकर 9.84 अरब डॉलर कर दिया है। यह जानकारी वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) ने दी है।

डीजीसीआईएस वाणिज्य मंत्रालय की एक शाखा है। पिछले महीने जारी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में देश का सोने का आयात चार गुना वृद्धि के साथ 14.86 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

लक्ष्मी डेंटल का अगले हफ्ते खुलेगा आईपीओ, जानिए प्राइस बैंड समेत पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

लक्ष्मी डेंटल ने अपने नए इश्यू के साइज को 150 करोड़ रुपये से घटाकर 138 करोड़ रुपये कर दिया है। वहीं ओएफएस का आकार 1.28 करोड़ इक्विटी शेयरों से बढ़ाकर लगभग 1.31 करोड़ शेयर कर दिया है। कंपनी के मुताबिक आईपीओ को 15 जनवरी तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। वहीं एंकर निवेशकों के लिए बिडिंग एक दिन के लिए 10 जनवरी को खुलेगी।

नई दिल्ली। ऑर्बिमेड के निवेश वाली लक्ष्मी डेंटल (Laxmi Dental) 698 करोड़ रुपये का आईपीओ ला रही है। कंपनी ने इसके लिए प्राइस बैंड 407-428 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशकों को आईपीओ में अप्लाई के लिए कम से कम 33 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगानी होगी। इसे 13 जनवरी से 17 जनवरी तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा।

लक्ष्मी डेंटल ने अपने नए इश्यू के साइज को 150 करोड़ रुपये से घटाकर 138 करोड़ रुपये कर दिया है। वहीं ओएफएस का आकार 1.28 करोड़ इक्विटी शेयरों से बढ़ाकर लगभग 1.31 करोड़ शेयर कर दिया है। कंपनी के मुताबिक, आईपीओ को 15 जनवरी तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए बिडिंग एक दिन के लिए 10 जनवरी को खुलेगी।

7 जनवरी को दाखिल रेड हेरिंग

प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में लक्ष्मी डेंटल के प्रमोटर-राजेश व्रजलाल खाखर और समीर कमलेश मर्चेंट और अन्य शेयरधारक कुछ हिस्सेदारी भी बेचेंगे। ओएफएस के तहत, निवेशक ऑर्बिमेड एशिया II मॉरीशस लिमिटेड प्रमुख बी2सी डेंटल एलाइनर कंपनी लक्ष्मी डेंटल के शेयर भी बेचेगा। ऑर्बिमेड हेल्थकेयर इंडस्ट्री के सबसे बड़े निवेशकों में से एक है।

लक्ष्मी डेंटल का शेयरहोल्डिंग पैटर्न

लक्ष्मी डेंटल में प्रमोटर ग्रुप की 46.56 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 53.44 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आरएचपी के अनुसार, फ्रेश इश्यू से मिली रकम का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और पूंजीगत व्यय जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

लक्ष्मी डेंटल अपनी सहायक कंपनी बिजडेंट डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड में निवेश और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी आईपीओ की रकम का इस्तेमाल करेगी।

लक्ष्मी डेंटल के आईपीओ का अलॉटमेंट 16 जनवरी को होगा। वहीं, शेयरों की लिस्टिंग 20 जनवरी को होगी। इसके शेयर बीएसई और एनएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

लक्ष्मी डेंटल का कारोबार क्या है?

लक्ष्मी डेंटल प्रोडक्ट बनाती हैं। इसके प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में कस्टम-मेड क्राउन और ब्रिज, ब्रांडेड डेंटल उत्पाद जैसे एलाइनर सॉल्यूशन शामिल हैं। इसके इश्यू साइज का 75 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए और बाकी 10 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए रिजर्व है।

नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड)

रिलायंस पर ब्रोकरेज बुलिश, शेयरों में आ सकता है 36 फीसदी का उछाल

परिवहन विशेष न्यूज

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्में रिलायंस को लेकर काफी बुलिश हैं। उनका मानना है कि मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयरों में 22 फीसदी तक की तेजी आ सकती है। ब्रोकरेज फर्मों के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर खरीदने पर रिस्क-रिवॉर्ड रेशियो काफी अच्छा है। आइए जानते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों का टारगेट प्राइस कितना है।

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज पर ग्लोबल ब्रोकरेज काफी बुलिश हैं। अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज फर्म जेफरीज और बर्नस्टीन का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद अरबति कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी का वैल्यूएशन काफी सस्ता हो गया है। रिलायंस का इससे आकर्षक वैल्यूएशन कोरोना के समय था। ब्रोकरेज के मुताबिक, रिलायंस के शेयर खरीदने पर रिस्क-रिवॉर्ड रेशियो काफी बेहतर हो गया है।

रिलायंस पर क्यों बुलिश हैं जेफरीज

रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) का शेयर फिलहाल अपने एक साल के उच्चतम स्तर से 22 फीसदी नीचे है। ब्रोकरेज का कहना है कि यह रिलायंस का शेयर खरीदने का काफी अच्छा मौका है। जेफरीज का मानना है कि वित्त वर्ष 2026 में रिलायंस के रिटेल सेगमेंट की ग्रोथ काफी बेहतर हो सकती है। ब्रोकरेज फर्म ने रिलायंस की टेलीकॉम कंपनी जियो की संभावित लिस्टिंग पर भी विचार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जियो का 40 हजार करोड़ रुपये का आईपीओ इसी साल

जेफरीज के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज के ओवरऑल मुनाफे में भी सुधार हो सकता है। जेफरीज ने 1,690 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ रिलायंस पर अपनी 'Buy' रेटिंग को बनाए रखा। इस हिसाब से रिलायंस के शेयरों में करीब 36 फीसदी की तेजी आ सकती है।

बर्नस्टीन की रिलायंस पर क्या है राय

बर्नस्टीन ने रिलायंस पर अपनी 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग बरकरार रखी है। उसने मुकेश अंबानी की कंपनी के लिए 1,520 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। इसके मुताबकि, रिलायंस के मौजूदा स्तर से 25 फीसदी की तेजी आने की उम्मीद है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि रिलायंस के वित्तीय नतीजों में 2025 में रिकवरी का दौर शुरू होगा। इसकी टेलीकॉम और रिटेल सेगमेंट से आय में वृद्धि होगी, साथ ही रिफाइनिंग मार्जिन में भी सुधार होगा।

बर्नस्टीन के अनुसार, रिलायंस जियो का एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (ARPU) टैरिफ बढ़ोतरी के बिना भी 12 फीसदी बढ़ सकता है। रिटेल सेगमेंट में दोहरे अंकों की EBITDA वृद्धि की उम्मीद है। वहीं ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन (GRM) में भी इस साल सुधार होने की संभावना है।

आगामी पर्व त्योहारों को लेकर गाजियाबाद पुलिस ने की शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। दिनांक 14.01.2025 को मौहम्मद हजरत अली का जन्मदिन व मकर संक्रान्ति का पर्व, 24.01.2025 को जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्म दिवस, 26.01.2025 को गणतंत्र दिवस पर्व, 02.02.2025 को वसंत पंचमी पर्व, 12.02.2025 को संत रविदास जयन्ती, 14.02.2025 को शबे बारात आदि त्यौहार / पर्वो तथा अन्य धार्मिक, सांस्कृतिक समारोह / कार्यकम, विभिन्न राजनैतिक पार्टियों / अन्य संगठनों द्वारा समय-समय पर किये जाने वाले विरोध प्रदर्शनों, विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत रखते हुये कमिश्नरेट गाजियाबाद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखना, असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाना, आवश्यक एवं अपरिहार्य है। चूंकि समय कम है और इस आदेश को तामील करके व्यक्तिगत सुनवाई किया जाना सम्भव नहीं है, ऐसी स्थिति में प्रकरण की गम्भीरता एव तात्कालिकता को दृष्टिगत रखते हुये कमिश्नरेट गाजियाबाद में अन्तर्गत धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 का आदेश दिनांक 07.01.2025 को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं मुख्यालय, कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा जारी किया गया है, जिसके अन्तर्गत निम्न मुख्य निषेधाज्ञाएं जारी की गयी हैं :- 1- किसी भी सार्वजनिक स्थल पर पॉच या पाँच से अधिक व्यक्ति बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के धरना, जुलूस प्रदर्शन आदि के लिए एकत्रित नही होंगे और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेंगे। 2- वर्तमान में आयोजित परीक्षाओं के दृष्टिगत कार्यक्रमों में संयोजक डी० जे० का प्रयोग नियम समय सीमा के पश्चात किसी भी दशा में नहीं करेंगे तथा मा० उच्च न्यायालय एवं ध्वनि प्रदूषण (विनियम और नियंत्रण) नियम-2000 यथासंशोधित प्राविधानों के कम में ध्वनि प्रदूषण के संबंध में प्रसारित गाईड लाईन (डेसीबल) के अनुरूप ही डी०जे० का प्रयोग करेंगे। 3- कोई भी जाति विशेष का व्यक्ति/व्यक्तियों का समूह अपने नगर/गांव/मौहल्ले व अन्य स्थानों पर जाकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेगा जिससे जातीय हिंसा व अन्य विवाद उत्पन्न होने की संभावना हो। 4- कमिश्नरेट गाजियाबाद में किसी भी गांव अथवा मौहल्ले में ऐसे व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जायेगा, जिसके जाने से उस क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना हो।

5- कोई भी व्यक्ति सक्षम प्राधिकारी / संबंधित मजिस्ट्रेट की पूर्वानुमति के बिना कोई जुलूस /सना/सम्मेलन, धरना प्रदर्शन तथा रैली आदि आयोजित नहीं करेगा। विवाह एवं शव यात्रा पर यह प्रतिबन्ध लागू नहीं होगा। 6- कोई भी व्यक्ति/व्यक्तियों का समूह जनपद गाजियाबाद में शांति व्यवस्था भंग करने संबंधी कोई कार्य नहीं करेगा तथा न किसी ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों का सहयोग करेगा जो शांति व्यवस्था कुप्रभावित करने का कृत्य कर रहे है अथवा ऐसे कार्य में संलिप्त है। 7- ऐसे तत्वों जिनके भ्रमण आदि कार्यकमों से साम्प्रदायिक सदभाव, समरसता एवं लोक परिशांति पर कुप्रभाव पड़ता हो, को प्रतिबंधित किया जाता है। 8- कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार अस्त्र शस्त्र, विस्फोटक पदार्थ या ऐसी वस्तु जिनका प्रयोग आक्रमण किये जाने में किया जा सकता है यथा चाकू, भाला, बरछी, तलवार, छुरा आदि लेकर नहीं चलेगा और न ही इनको किसी स्थान पर एकत्रित करेगा और न ही इनका सार्वजनिक प्रदर्शन करेगा। इस प्रतिबन्ध से पुलिसकर्मी एवं अपने दायित्वों के निर्वहन की प्रकिया में शस्त्र धारण करने वाले अधिकृत अधिकारी/कर्मचारी मुक्त होंगे। इसके अतिरिक्त लाठी, डण्डा लेकर भ्रमण करने वाले वृद्ध एवं विकलांग व्यक्ति भी मुक्त होंगे। यह धार्मिक रीति-रिवाजों को भी प्रभावित नहीं करेगा। 9- कोई व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह किसी भी सार्वजनिक स्थल व अपने घर की छत पर किसी प्रकार की इंटें, पत्थर, किसी भी प्रकार की मिटटी, कांच की बोतलें, सोडा वाटर की बोतलें एवं कोई भी ऐसा ज्वलनशील पदार्थ एकत्रित नहीं करेगा, जिससे मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता हो और न ही ऐसा करने के लिये किसी को प्रेरित करेगा। 10- कोई भी पेट्रोल पम्प मालिक या खुदरा विक्रेता पेट्रोल व डीजल की बिकी वाहन के अतिरिक्त बोतल अथवा किसी कन्टेनर में नही करेंगे, क्योंकि यह संभावना है कि अराजक तत्व इस प्रकार खरीदे गये पेट्रोल डीजल का प्रयोग

हिंसात्मक कार्यों के लिये कर सकते है। अतः इस प्रकार वाहन के अतिरिक्त डीजल अथवा पेट्रोल का क्रय एवं विक्रय प्रतिबंधित किया जाता है। 11- कोई भी होटल/धर्मशाला आदि का प्रबन्धक/मालिक किसी भी व्यक्ति को बिना उसकी पहचान सत्यापित कराये बिना कमरा आवंटित नहीं करेगा। 12- कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया या प्रिन्ट मीडिया के माध्यम से ऐसी बात नहीं कहेगा और न ही प्रकाशन के माध्यम से प्रचारित / प्रसारित करेगा, जिससे सामाजिक भावनाओं को ठेस पहुँचे। 13- किसी भी व्यक्ति/अभ्यर्थी / राजनैतिक दल द्वारा किसी प्रकार की चुनाव प्रचार सामग्री विज्ञापन तथा प्रिन्टेड पम्पलेट्स, इलेक्ट्रानिक माध्यम इत्यादि का प्रयोग विहित रूप से सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जायेगा।

14- कोई भी व्यक्ति/व्यक्ति समूह किसी प्रकार के धार्मिक वर्ग सम्बन्धी, जातिगत अथवा राजनैतिक दलों की भावनाएं भड़काने वाले नारे, पोस्टर आदि नहीं लगायेगा और न ही ऐसे पम्पलेट/पर्चे आदि का वितरण करेगा, जिससे वर्ग विशेष, जाति, धर्म अथवा राजनैतिक दल की भावनाएं आहत हों। 15- कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक रूप से मदिरा एवं नशीले पदार्थ का प्रयोग नहीं करेगा, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना हो और न ही ऐसा करने के लिये किसी को प्रेरित करेगा। 16- वायु प्रदूषण के सम्बन्ध में मा० उच्चतम न्यायालय एवं एनजीटी के विभिन्न आदेश-निर्देशों के कम में कोई भी व्यक्ति अपने खेतों में पराली/फसलों के अवशेष नहीं जलाएगा। 17- परीक्षार्थियों/अभ्यर्थियों एवं परीक्षा कार्य में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों के अलावा परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में चार से अधिक व्यक्ति किसी भी स्थान पर न तो एकत्रित होगें और न ही समूह में विचरण करेंगे। परीक्षा केन्द्रों से न्यूनतम 01 कि०मी० की परिधि में फोटो कॉपियर एवं स्कैनर का संचालन परीक्षा अवधि में पूर्णतः प्रतिबन्धित किया जाए। 18- परीक्षा केन्द्रों के आस-पास परीक्षावधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रो का प्रयोग प्रतिबन्धित किया जाता है। 19- परीक्षाओं के दृष्टिगत समाज विरोधी तत्यों एवं परीक्षा केन्द्रों के आस-पास नकल गतिविधियों में संलिप्त बाह्य व्यक्तियों को प्रतिबन्धित किया जाता है। आदेश का उल्लंघन करने पर विधिक कार्यवाही करते हुए दण्डित करने की कार्यवाही की जाए। 20- परीक्षा केन्द्रों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार के शस्त्र आदि लेकर परीक्षा स्थल पर जाना प्रतिबंधित है तथा ऐसा करने वाले व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के अन्तर्गत दण्डित करने की कार्यवाही की जाए। 21- परीक्षा केन्द्रों पर तैनात केन्द्र अधीक्षक/अध्यापक सुनिश्चित करेंगें कि परीक्षा अवधि में किसी व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा परीक्षा से सम्बद्ध किसी कार्मिकों के प्रति आपराधिक / धमकी भरे व्यवहार किये जाने पर तत्काल सम्बन्धित मजिस्ट्रेट को सूचित करेंगे। 22- सभी थाना प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति कमिश्नरेट गाजियाबाद सीमा के अन्तर्गत अनुचित मुद्रण, फोटो स्टेट तथा अवैध प्रकाशन पर परीक्षार्थियों / अभ्यर्थियों एवं अन्य किसी भी व्यक्तियों को गुमराह नहीं करेगा। 23- परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा केन्द्र परिसर के अन्दर सेलुलर फोन, पेजर या कोई इलेक्ट्रानिक वस्तु लाने ले जाने को प्रतिबन्धित किया जाता है जब तक कि इस प्रकार की कोई सामग्री परीक्षा केन्द्र के अन्दर लाने की अनुमन्यता न हो।

24- कोई भी व्यक्ति या कोई समूह यातायात जाम नही करेगा और न ही बाधित करेगा। किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी कार्मिक को ड्यूटी पर जाने से नहीं रोकेगा। 25- राजकीय कार्यालयों के ऊपर व आस पास एक किमी की परिधि में ड्रोन से शूटिंग करना पूर्णतया प्रतिबंधित होगा इसके अतिरिक्त अन्य स्थानों पर संबंधित स्थान के पुलिस उपायुक्त के बिना किसी प्रकार की ड्रोन कैमरे से शूटिंग/फोटोग्राफी नहीं की जायेगी। 26- सरकार द्वारा पॉलिथीन, प्लास्टिक पर पूर्णतया प्रतिबन्ध लगा होने के कारण कोई भी व्यक्ति पॉलिथीन, प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेगा। 27- उपरोक्त वर्णित आदेश में शर्तों का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा-223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा। 28- इस अधिनियम के उल्लंघन के फलस्वरूप दाखिल किये जाने वाला परिवाद सम्बन्धित क्षेत्रीय अधिकारिता रखने वाले कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा दायर किया जायेगा। चूंकि परिस्थितियों की संवेदनशीलता कुछ इस प्रकार है कि समयाभाव के कारण उन्हें जिन्हें कि यह आदेश अभिप्रेत है, व्यक्तिगत रूप से सुना जाना सम्भव नहीं है। अतः यह आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जाता है। यह आदेश कमिश्नरेट गाजियाबाद की सम्पूर्ण सीमा में तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा कमिश्नरेट गाजियाबाद में रह रहे एवं इससे गुजरने वाले सभी व्यक्तियों पर लागू होगा। इस आदेश के प्रवर्तन का दायित्व कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस विभाग पर होगा।

लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़ियां मुंडा अस्पताल में भर्ती

परिवहन विषेष न्यूज

सरायकेला, लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष व भाजपा के 88 वर्षीय भाजपा नेता, खूंटी से आठ बार सांसद पद्मभूषण कड़िया मुंडा की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया. बताया गया कि तीन दिन पहले खूंटी के सिविल सर्जन डा नागेश्वर मांझी ने उनके घर जाकर स्वास्थ्य जांच की थी और उनके सेहत में सुधार नहीं होने पर उन्हें मंगलवार को रांची रेफर किया गया.

गौरतलब है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता कड़यिा मुंडा झारखंड की खूंटी लोकसभा सीट समेत सरायकेला खरसावां जिले के खरसावां से आठ बार सांसद चुके हैं. उन्हें पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया है. सबसे अधिक 12 लोकसभा चुनाव लड़ने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है. खूंटी लोकसभा सीट बर्ष 1967 में अस्तित्व में आया था तथा बर्ष 1971 में पहली बार कड़िया मुंडा चुनाव लड़े. परंतु उन्हें 1977 के चुनाव में पहली बार जीत हासिल हुई थी. बर्ष 2014 में उन्होंने अंतिम लोकसभा चुनाव लड़ा था.आप जनसंघ के समय से नेता रहे तथा इमानदार छवि के लिए कड़ियां मुंडा पहचान होती है . पूर्व प्रधानमंत्री ।

तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस आज से

परिवहन विषेष न्यूज

भुबनेश्वर: प्रवासी भारतीय आज से तीन दिनों के लिए ओडिशा में एकत्रित हुए। वे भावनाओं और अनुभवों के बारे में बात करेंगे। तीन दिवसीय सम्मेलन में पांच विशिष्ट विषयों पर पूर्ण सत्र आयोजित किये जायेंगे। आज प्रवासी भारतीय दिवस के पहले दिन युवा प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री डॉ.मनसुख मंडाविया इसका शुभारंभ किया है। उद्घाटन के बाद पूर्ण अधिवेशन सुबह 9:30 से 10:30 बजे के बीच शुरू हुआ। पहले दिन 'विश्व भर में प्रवासी भारतीयों में युवा नेतृत्व' विषय पर चर्चा होगी। पूर्ण अधिवेशन सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक, दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक भोजन, दोपहर 2:00 बजे से 3:30 बजे तक ओडिशा सरकार द्वारा और 3:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक भोजन, दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक भोजन, दोपहर 2:00 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक भोजन, दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 12:0 ... सायं 7:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ल कंगालू इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि की उपस्थिति में 18वें प्रवासी भारतीय कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम सुबह 10 बजे से 11.30 बजे तक चलेगा। पूर्ण अधिवेशन दोपहर 2.30 बजे से सायं 4 बजे तक तथा सायं 4.15 बजे से सायं 5.45 बजे तक आयोजित होंगे। शाम 7 बजे से 8 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन समारोह 10 तारीख को होगा। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। उद्घाटन समारोह में प्रवासी भारतीय सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस बार 27 लोगों को यह सम्मान दिया जाएगा। पूर्ण अधिवेशन प्रातः 9:30 से 11 बजे तक तथा प्रातः 11:15 से 12:45 बजे तक आयोजित होंगे। कार्यक्रम के अनुसार प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन एवं पुरस्कार समारोह दोपहर 3 बजे से 4.40 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

राजधानी में हिंसक हत्या: बदमाशों ने बीच सड़क पर बाइक सवार व्यक्ति की हत्या की

भूबनेश्वर : राजधानी में विभात हत्याकांड। रसूलगढ़-बनी विहार मार्ग पर बदमाशों ने एक युवक का सिर धड़ से अलग कर दिया। बाइक से पीछा करने के बाद उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। ऐसा माना जा रहा है कि हत्या सुबह 7 से 7:30 बजे के बीच हुई। रसूलगढ़-बनी विहार मुख्य मार्ग पर हत्या। उन्होंने स्पष्ट रूप से युवक को खुलेआम चोट पहुंचाई ।मृतक केदारपल्ली क्षेत्र का सहदेव नायक था। वह सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष थे। आज सुबह जब वह स्कूटर चला रहे थे तो कुछ बदमाशों ने तलवार से वार कर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। सहदेव ने पुलिस अधिकारी के रूप में भी काम किया।

विकास ही है लाल आतंक को खत्म करने का पुख्ता तरीका

'लाल आतंकर एक दंश है, एक नासूर है। सच तो यह है कि 'लाल आतंक' आज हमारे देश के लिए एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में नक्सलियों के हमले में छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी(डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के 8 जवान शहीद हो गए। इस हमले में ड्राइवर की भी मौत हो गई ।यह बहुत ही दुखद घटना है और नक्सलियों की यह बहुत ही कायराना हरकत है। नए साल पर नक्सलियों ने बड़ा खूनी खेल खेला। मीडिया के हवाले से खबरें आईं है कि पुलिस की एक टीम छत्तीसगढ़ के नारायणपुर से एक सर्च ऑपरेशन के बाद वापस लौट रही थी और इस दौरान एक पुलिस वाहन को नक्सलियों ने उड़ा दिया। कहना ग़लत नहीं होगा कि साल-2025 की शुरुआत में यह नक्सलियों का एक बड़ा हमला है। हमारे देश के केंद्रीय गृहमंत्री ने पिछले साल ही यह दावा किया था कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा, लेकिन इसी बीच नक्सलियों का यह बड़ा हमला होना दर्शाता है कि नक्सलवाद मुक्त भारत आज भी एक बड़ी व गंभीर चुनौती है। पाठकों को बताता चलूं कि नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गांव से हुई थी। जानकारी मिलती है कि किसानों के शोषण के विरोध में शुरू हुए एक आंदोलन ने ही नक्सलवाद की नींव डाली थी। कहना ग़लत नहीं होगा कि ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों पर किये जा रहे के अत्याचार/उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लिये भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी जैसे कुछ नेता सामने आये थे और कुछ लोगों द्वारा गुरिल्ला युद्ध के ज़रिये राज्य को अस्थिर करने के लिये हिंसा का इस्तेमाल किया जाता है, इसे ही नक्सलवाद कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि भारत में ज़्यादातर नक्सलवाद माओवादी विचारधाराओं पर आधारित रहा है। यहां यह भी एक तथ्य है कि भारत में जहाँ वामपंथी आंदोलन पूर्व सोवियत संघ से प्रभावित था, वहीँ आज का माओवाद पड़ौसी चीन से प्रभावित है। ये मौजूदा माओवाद हिंसा और ताकत के बल पर समानांतर सरकार बनाने का पक्षधर रहा है। इसके अलावा, अपने उद्देश्य के लिये ये किसी भी प्रकार की हिंसा को उचित मानते हैं। बहरहाल, यह विडंबना ही है कि आज नक्सलवाद ने देश के कई हिस्सों को अपनी जद में ले लिया है और नक्सली समय-समय पर हमले करके हमारे देश के सुरक्षा बलों, नेताओं , आमजन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वर्ष 1967 से शुरू हुए नक्सलवाद ने अब तक कई हमले किए हैं, जिनमें अनेक लोग मारे जा चुके हैं। वास्तव में, नक्सलवाद का सबसे वीभत्स/खतरनाक रूप तब सामने आया था जब 1 अक्तूबर 2003 को नक्सलियों ने आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सीएम चंद्रबाबू नायडू के एक काफिले पर हमला किया था और इसके बाद आंध्र सरकार ने राज्य में नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान छेड़ा था। जानकारी मिलती है कि इसी साल आंध्र प्रदेश में 246 नक्सलियों की मौत हुई थी। सच तो यह है कि नक्सलियों ने एक के बाद एक हमले करते हुए अब तक हमारे सुरक्षा बलों, पुलिस, नक्सल का विरोध करने वालों, नेताओं तक को अपना निशाना बनाया है। नक्सलियों का उभार किस कदर है इसका अंदाजा हम मात्र इस बात से ही लगा सकते हैं कि नक्सलवाद के कारण अकेले ओडिशा में वर्ष 2005 से लेकर वर्ष 2008 के बीच 700 लोगों की मौत हुई थी। पाठकों को बताता चलूं कि 12 जुलाई 2009 को राजनांदगांव के मानपुर थाना में नक्सली हमले में एक पुलिस अधीक्षक समेत 29 पुलिसकर्मी बलिदान हुए थे। इसी तरह, छह अप्रैल 2010 को बस्तर के ताड़मेटला में सीआरपीएफ के जवान सर्चिंग के लिए निकले थे, जहां नक्सलियों की बिछाई गई बारूदी सुरंग में हुए एक विस्फोट में 76 जवान शहीद हो गए थे। इतना ही नहीं, 29 जून 2010 को नारायणपुर जिले के धोड़ाई में सीआरपीएफ के 27 जवान, 19 अगस्त 2011 को बीजापुर में 11 सुरक्षा जवान, 13 मई 2012 को एनएमडीसी के प्लांट में सीएसआइएफ के छह जवान, 25 मई 2013 बस्तर के झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में 32 लोग, 24 अप्रैल 2017 को सुकमा जिले के चिंतागुफा के पास नक्सलियों के एंबुश में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 25 जवान, 11 मार्च 2017 को सुकमा के भेज्जी इलाके में नक्सलियों द्वारा किए गए आइईडी ब्लास्ट और फायरिंग में 12 सीआरपीएफ जवान, 13 मार्च 2018 को सुकमा जिले के किस्टाराम क्षेत्र में आइइडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के 9 जवान, 5 अप्रैल 2019 को कांकेर में बीएसएफ के 4 जवान, 9 अप्रैल 2019 को दंतेवाड़ा में 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान से ठीक पहले नक्सलियों ने चुनाव प्रचार के लिए जा रहे एक नेता समेत चार सुरक्षा कर्मी, 21 मार्च 2020 को मिनपा में 17 जवान, 3 अप्रैल 2021 को बीजापुर जिले के

टेकुलगुड़ेम में नक्सलियों के एक एंबुश में 23 जवान तथा 26 अप्रैल 2023 को अरनपुर में नक्सलियों की बिछाई गई आइइडी में हुए विस्फोट की चपेट में आने से 10 डीआरजी जवान शहीद हो गए थे। बहरहाल, यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर नक्सलवाद के कारण क्या हैं ? तो इस संबंध में नक्सलियों का यह कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे ज़मीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जानकारी मिलती है कि माओवादी प्रभावित अधिकतर वे इलाके हैं, जहां सड़कें, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इन इलाकों में अधिकांशतया आदिवासी बहुल लोग रहते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि विभिन्न सार्वजनिक और निजी कंपनियों ने इन इलाकों में प्राकृतिक संपदा का जमकर दोहन किया है। इतना ही नहीं, विभिन्न आर्थिक कारणों से भी नक्सलवाद उभरा है। यह भी एक तथ्य है कि अशिक्षा और विभिन्न विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को मज़बूत बनाया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि सामाजिक विषमता ने भी संघर्ष को जन्म दिया है। सरकार द्वारा बनाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं के निर्माण एवं उनके क्रियान्वयन में गंभीरता, निष्ठा व पारदर्शिता का अभाव भी नक्सलवाद के एक कारण के रूप में उभरकर सामने आया है। ऐसा नहीं है कि सरकार ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रयास नहीं किए हैं। सच तो यह है कि नक्सलवाद को खत्म करने के लिए समय-समय पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कई बड़े ऑपरेशन चलाए हैं और नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए भी कई अभियान चलाए गए हैं और अनेक पहलें की गई हैं। इस संबंध में ऑपरेशन 'समाधान' भारत में नक्सली समस्या को हल करने के लिये गृह मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक पहल है ।आज सर्वाधिक नक्सल प्रभावित 30 ज़िलों में जवाहर नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय संचालित किये जा रहे हैं और शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। इतना ही नहीं, हिंसा का रास्ता छोड़कर समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिये सरकार पुनर्वास की भी व्यवस्था करती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि नक्सलवाद सामाजिक-आर्थिक कारणों से उपजा था। सरकार आज सामाजिक समानता के लिए ठोस और गंभीर प्रयास कर रही है। इतना ही नहीं, बेरोजगारी को भी लगातार दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। सबको शिक्षा, सबको स्वास्थ्य की व्यवस्थाएं की गई हैं।आर्थिक असमानता, भ्रष्टाचार आदि को दूर करने की दिशा में सशक्त प्रयास किए गए हैं और वर्तमान में भी किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और इंफ्रास्ट्रक्चर(बिजली , पानी और सड़क) को लगातार मजबूत किया जा रहा है। संचार सुविधाओं(आदिवासी बहुल इलाकों में) पर भी विशेष ध्यान दिया गया है ।बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नक्सलवाद को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। उस समय उन्होंने यह बात कही थी, कि विकास ही इस उग्रवाद(नक्सलवाद)को खत्म करने का सबसे पुख्ता तरीका है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार ने नक्सलवाद से लड़ने के लिए, उसका मुकाबला करने के लिए नक्सल प्रभावित इलाकों में सेना के जवानों की संख्या भी बढ़ाई है। यहां तक कि नक्सलियों से लड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में वर्ष 1990 में राज्य सरकार ने नागरिकों को ही ट्रेनिंग देनी शुरू की थी, जिसे 'सलवा जुडूम' कहा गया। जानकारी मिलती है कि सरकार ने नागरिकों को हथियार तक मुहैया कराए। हालांकि, यह बात अलग है कि इसके लगातार विरोध और माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इसे खत्म कर दिया गया। अंत में, कहना ग़लत नहीं होगा कि नक्सलवाद की बड़ी वजह आर्थिक और सामाजिक विषमता रही है। यह विडंबना ही है कि आज विभिन्न सियासी दल नक्सलवाद को एक चुनावी तवे की तरह इस्तेमाल करते हैं और मौका मिलते ही इस पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिशें करते हैं। ऐसे राजनीतिक दलों को यह चाहिए कि वे अपने स्वार्थ और लालच से बाहर निकल कर देश हित में काम करें ।सच तो यह है कि नक्सलवाद की समस्या किसी व्यक्ति विशेष, सरकार विशेष की समस्या नहीं है, अपितु यह हमारे देश की एक सामूहिक समस्या है। इससे निजात पाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर आगे आना होगा और सरकार, प्रशासन के साथ मिलकर जागरूकता से काम करना होगा। विकास ही नक्सलवाद को खत्म कर सकता है।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023